राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद,
बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

रणबीर जल्द लौटेंगे सेट पर...8

दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

मंगलवार, 15 नवंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण www.budhakasandesh.com वर्ष: 09 अंक: 325 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 सम्पादक : राजेश शर्मा उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

क्या चुनावों में मिलेगी बेनामी फंडिंग की अनुमति? सुप्रीम कोर्ट याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वो इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को चुनौती देने वाले मामले को सूचीबद्ध करेगा, जो राजनीतिक गलों को बेनामी फंडिंग की अनुमति देता है। याचिका का उल्लेख वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप जॉर्ज चौधरी ने शीर्ष अदालत के समक्ष किया और कहा कि अधिसूचना पूरी तरह से अवैध है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि वह मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगी। कांग्रेस नेता जया ठाकुर द्वारा दायर याचिका में चुनावी बांड योजना को चुनौती दी गई है, जो राजनीतिक दलों के गुमनाम फंडिंग की अनुमति देती है। वित्त मंत्रालय ने 7 नवंबर को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधान सभा के आम चुनावों के वर्ष में उनकी बिक्री के लिए ष15 दिनों की अतिरिक्त अवधिष प्रदान करने के लिए योजना में संशोधन के लिए एक अधिसूचना जारी की। गजट अधिसूचना में कहा गया है, ष्केंद्र सरकार द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभा के आम चुनावों के वर्ष में पंद्रह दिनों की अतिरिक्त

अवधि निर्दिष्ट की जाएगी। सरकार ने 2018 में चुनावी बांड योजना को अधिसूचित किया। प्रावधानों के अनुसार, चुनावी बांड एक व्यक्ति द्वारा खरीदा जा सकता है, जो भारत का नागरिक है या भारत में निगमित या स्थापित है। बयान में यह भी कहा गया है कि एक व्यक्ति एक व्यक्ति होने के नाते या तो अकेले या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से चुनावी बांड खरीद सकता है। इस योजना के तहत बांड आम तौर पर जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर के महीनों में दस दिनों की अवधि के लिए किसी भी व्यक्ति द्वारा खरीद के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं, जब केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट किया जाता है।

कुछ लोग बंगाल के विरूद्ध रच रहे साजिश, ममता बोलीं- हमारा स्वाभिमान सबसे महत्वपूर्ण, इसे नहीं छीनने देंगे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर रहती हैं। वे दिल्ली के बहाने भाजपा पर भी जबरदस्त तरीके से निशाना साधती हैं। इन सब के बीच आज ममता बनर्जी ने एक बार फिर से दावा किया है कि कुछ लोग बंगाल को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल के विरुद्ध साजिश रची जा रही है। साथ ही साथ तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए उनका स्वाभिमान महत्वपूर्ण है। हम इसे किसी को छीनने नहीं देंगे। अपने बयान में ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ लोग बंगाल में बैठकर खा रहे हैं और साजिश कर रहे हैं और

दिल्ली को कह रहे हैं कि बंगाल को पैसा मत दो। मुझे दिल्ली का पैसा नहीं चाहिए। ममता ने दावा किया कि बंगाल अपने पैरों पर खड़ा होने में सक्षम है। हमारा स्वाभिमान हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है, हम दिल्ली को इसे नहीं छीनने देंगे। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी के बीच कहा कि जिन्होंने गलतियां की हैं उन्हें गलतियां सुधारने का मौका दिया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यदि कोई किसी गड़बड़ी में लिप्त है तो कानून अपना काम करेगा। लेकिन (यहां तो) मीडिया ट्रायल चल रहा है। ममता ने कहा कि राज्य के विरूद्ध एक साजिश रची जा रही है। उसके तहत सरकार एवं तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाया जा रहा है। इससे पहले ममता बनर्जी ने अधिकारियों से कहा था कि कुछ लोगों की बंगाल में दिसंबर में सांप्रदायिक दंगे भड़काने की साजिश है। इस पर निगाह रखें। ममता बनर्जी ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा था कि पश्चिम बंगाल को बांटने की साजिश हो रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि किसी भी कीमत पर वह बंगाल का विभाजन नहीं होने देंगी।बनर्जी ने कहा था कि भाजपा राज्य के उत्तरी हिस्सों में राजबंशी और गोरखाओं को भड़काकर पश्चिम बंगाल में अलगाववाद को बढ़ावा दे रही है। हम पश्चिम बंगाल का विभाजन कभी नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा था कि 2019 में, देश की राजनीतिक स्थिति अलग थी, भाजपा बिहार, झारखंड और कई अन्य राज्यों में सत्ता में थी। लेकिन अब, देशभर में इसकी राजनीतिक मौजूदगी कम हो गई है, यह अब कई राज्यों में सत्ता में नहीं है।

यूपी में खाद की कालाबाजारी की तो जाना पड़ेगा जेल, योगी के मंत्री की चेतावनी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद पर मची किल्लत के बीच जिलों में अगर खाद की कालाबजारी, जमाखोरी और तय रेट से ज्यादा पर उर्वरकों की बिक्री हुई तो ऐसा करने वाले के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने के सभी जिला प्रवर्तन इकाइयों को निर्देश दिए गए हैं। ये आदेश कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में दिए। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि राज्य में रबी की फसलों के लिए उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। किसानों को समय पर यूरिया, डीएपी, एनपीके आदि की उपलब्धता सुनिश्चत करवाई जा रही है।

मैनपुरी उप चुनाव के लिए डिंपल यादव ने दाखिल किया नामांकन, अखिलेश यादव भी रहे मौजूद

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया जारी है। आज समाजवादी पार्टी कि नेता डिंपल यादव ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी मौजूद रहे। आपको बता दें कि मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद से यह सीट खाली हुई थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में मैनपुरी से मुलायम सिंह यादव

सांसद चुने गए थे। 10 अक्टूबर को उनका निधन हुआ था। इस सीट पर नामांकन प्रक्रिया 10 नवंबर से शुरू हुई थी। नामांकन को लेकर मैनपुरी जिला कलेक्ट्रेट में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त भी किए गए थे। आपको बता दें कि डिंपल यादव समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की बहू हैं। आज सुबह ही डिंपल यादव अखिलेश यादव नेताजी के समाधि स्थल पहुंची थीं जहां दोनों ने उनका आशीर्वाद लिया था। डिंपल यादव ने एक ट्वीट में लिखा कि नेता जी को सादर नमन के साथ हम आज का नामांकन उनके सिद्धांतों और मूल्यों को समर्पित कर रहे हैं। नेता जी का आशीर्वाद हम सब के साथ हमेशा रहा है, हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं सभी को धन्यवाद करना चाहती हूं, मुझे पूरी उम्मीद है कि आने वाले दिनों में मैनपूरी की जनता का आर्शीवाद समाजवादी पार्टी के साथ रहेगा। गौरतलब है कि मैनपुरी समाजवादी पार्टी का गढ़ माना जाता है। इतना ही नहीं, मैनपुरी नेताजी की कर्मभूमि भी रही है। फिलहाल मैनपुरी में नेताजी की विरासत को बचाना अखिलेश यादव के सामने एक बड़ी चुनौती है। डिंपल यादव को टिकट देकर अखिलेश यादव ने परिवार के भीतर अंर्तकलह को शांत करने की कोशिश की है।

अब्दुल सत्तार की टिप्पणी को लेकर महिला नेताओं ने राज्यपाल से की मुलाकात, जया बच्चन बोलीं– अपमान बर्दाश्त नहीं

मुंबई। एनसीपी सांसद सुप्रिया सुले को लेकर महाराष्ट्र के

मंत्री अब्दुल सत्तार की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला अब बड़ा होता जा रहा है। आज विभिन्न दलों की महिला नेताओं ने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात की है। महिला प्रतिनिधिमंडल में शिवसेना (उद्धव गुट), एनसीपी और समाजवादी पार्टी की नेता शामिल थीं। राज्यपाल से मुलाकात के बाद समाजवादी पार्टी की राज्यसभा सांसद जया बच्चन ने साफ तौर पर कहा कि महिलाओं का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अपने बयान में जया बच्चन ने कहा कि आज हमने राज्यपाल से मुलाकात की है और जल्द ही हम राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे। महिलाओं का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सपा सांसद ने आगे कहा कि महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले नेताओं सहित किसी भी व्यक्ति को मिसाल कायम करने के लिए बाहर कर देना चाहिए। आपको बता दें कि अब्दुल सत्तार के विवादित बयान के बाद एनसीपी कार्यकर्ताओं ने जगह–जगह तोड़फोड़ की थी और जमकर विरोध प्रदर्शन किया था। मंत्री अब्दुल सत्तार के घर के बाहर भी विरोध प्रदर्शन हुआ था और तोड़फोड़ हुई थी। कई जगह पथराव भी किया गया था। हालांकि, लगातार हो रही आलोचनाओं को ध्यान में रखते हुए अब्दुल सत्तार ने माफी भी मांग ली थी। उन्होंने कहा था कि अगर उनकी टिप्पणी से किसी को ठेस पहुंची है तो उन्हें खेद है। हालांकि, उन्होंने यह बात पर कहा कि शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की। आपको बता दें कि एकनाथ शिंदे गुट के अब्दुल सत्तार फिलहाल महाराष्ट्र में कृषि मंत्री हैं। इससे पहले शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा था कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को राज्य मंत्री अब्दुल सत्तार की राष्ट्रवादी कांग्रेस नेता (राकांपा) नेता सुप्रिया सुले के खिलाफ कथित टिप्पणियों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने राष्ट्रीय महिला आयोग से इस मामले में हस्तक्षेप करने की भी मांग की थी। वहीं, अब्दुल सत्तार के घर पर पथराव करने और नारेबाजी करने के मामले में 22 लोगों पर मामला दर्ज किया गया था।

भारत जोड़ो यात्रा की आधी यात्रा पूरी, 22 नवंबर को गुजरात में प्रचार करने जाएंगे राहुल

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि भारत जोड़ो

यात्रा की आधी यात्रा पूरी होने के बाद हम समीक्षा बैठक कर रहे हैं। अब हम उत्तर भारत में प्रवेश कर चुके हैं और यात्रा को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं की प्रतिक्रिया किसी भी अन्य इवेंट से बड़ी है। भारत जोड़ो यात्रा के रूट पर उन्होंने कहा कि रूट में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन संबंधित च्ब बिना तारीख बदले अगर रूट में छोटे सुधार मांगते हैं तो (रूट में बदलाव) किया जा सकता है।

विजय रूपाणी की मौजूदगी में रिवाबा ने भरा अपना नामांकन, रविंद्र जडेजा बोले– वह पीएम के रास्ते पर चलना चाहती हैं

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां लगातार जारी है। इन सब के बीच आज क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा ने अपना नामांकन दाखिल कर लिया। रिवाबा पहली बार चुनावी मैदान में हैं। उन्हें भाजपा ने जामनगर नॉर्थ से अपना प्रत्याशी बनाया है। रिवाबा जडेजा के साथ उनके नामांकन में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और क्रिकेटर रविंद्र जडेजा भी मौजूद

रहे। आपको बता दें कि रिवाबा जडेजा रविंद्र जडेजा की पत्नी हैं। नामांकन के बाद रविंद्र जडेजा ने साफ तौर पर कहा कि रिवाबा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रास्ते पर चलना चाहती हैं और लोगों की सेवा करना चाहते हैं। आपको बता दें कि जामनगर नॉर्थ सीट पर 1 दिसंबर को पहले ही चरण में वोट डाले जाएंगे। अपने बयान में रविंद्र जडेजा ने कहा कि वह पहली बार विधायक उम्मीदवार के रूप में (रिवाबा जडेजा) हैं और वह बहुत कुछ सीखेंगी। मुझे उम्मीद है कि वह इसमें आगे बढ़ेंगी। उन्होंने कहा कि वह प्रकृति से मदद करने वाली है और हमेशा लोगों की मदद करना चाहती है और इसलिए राजनीति में शामिल हो गई। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वह लोगों के लिए काम करने के लिए पीएम मोदी के रास्ते पर चलना चाहती हैं। वही नामांकन के बाद रीवाबा जडेजा ने अपने ट्वीट में लिखा कर विकसित, स्वनिर्भर और खुष्शहाल जामनगर के सपनो को साकार करने हेतु भाजपा प्रत्याशी के रूप में आज अपना नामांकन भरा। आप सभी के साथ एवं सहकर के लिए आभार। भारतीय ऑलराउंडर ने की पत्नी के लिए वोट अपील: नामांकन भरने से पहले ही रिवाबा के पति और भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने ट्वीटर पर एक वीडियो पोस्ट कर पत्नी को समर्थन देने की अपील जनता से की है।

जम्मू–कश्मीर में 500 यूनिट बिजली फ्री देने का वादा कर अल्ताफ बुखारी ने चला बड़ा राजनीतिक दाँव

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में विधानसभा चुनावों की आहट होते ही सियासी दलों ने अपनी अपनी तैयारी तेज कर दी है। इस क्रम में जनसभाओं और रैलियों का आयोजन भी बड़ी संख्या में किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी ने भी श्रीनगर में एक जनसभा आयोजित की जिसमें पार्टी प्रमुख अल्ताफ बुखारी ने कहा कि उनकी पार्टी अनुच्छेद 370 और 35 ए की बहाली के लिए उच्चतम न्यायालय में कानूनी लड़ाई के वास्ते देश के बेहतरीन वकीलों की सेवा लेगी। बुखारी ने शेर–ए–कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए जम्मू कश्मीर के राज्य का दर्जा भी बहाल करने की भी मांग की। जम्मू कश्मीर में तत्काल विधानसभा

चुनाव कराने की पैरवी करते हुए उन्होंने कहा कि इस जनसभा में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी केंद्र के लिए संदेश है कि वे अपनी निर्वाचित सरकार एवं पहचान चाहते हैं। बुखारी ने कहा कि उनकी पार्टी एक टीम गठित करेगी, जो जेलों में बंद युवकों और उनके विरुद्ध दर्ज मामलों के बारे में ब्योरा जुटाने के लिए जम्मू–कश्मीर एवं बाहर की जेलों में जाएगी। उन्होंने कहा कि ब्योरा जुटाने के बाद उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मिलेगी तथा इन युवकों की रिहाई की मांग करेगी। उन्होंने कहा, श्हम चाहते हैं कि इन युवकों को नये सिरे से जिंदगी शुरू करने का मौका मिले।''

सेनानी परिवार अपने पूर्वजों के सम्मान और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एक जुट हो : जितेन्द्र रघुवंशी

बहराइच में जुटे उ.प्र. समेत एक दर्जन प्रान्तों के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारी परिजन

बहराइच।शहर के के.डी. पैलेस हाल में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मारिका विमोचन समारोह में अखिल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन बहराइच व श्रावस्ती द्वारा अतिथियों के स्वागत सत्कार के लिए अपनी अमिट छाप छोड़ते हुए राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न हुआ। देश के लगभग एक दर्जन प्रांतों से स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में पहुंचकर बहराइच के स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के लिए प्रेरणा स्रोत बने। इस कार्यक्रम की शुरुआत 113 वर्षीय वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वामी लेखराज एवं गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गठित एमिनेंट कमेटी के सदस्य श्री पाण्डुरंग गणपति शिंदे द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन करके की गई। आयोजकों के द्वारा देश के विभिन्न भागों से आए हुए पदाधिकारियों का स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र तथा प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक श्री रमेश कुमार मिश्र ने आयोजन में पधारे अतिथियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए आयोजन के स्वरूप की चर्चा की। आयोजन के मूलाधार वरिष्ठतम स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वामी लेखराज, श्री पाण्डुरंग गणपति शिंदे, श्री राम विचार पाण्डेय, श्री अवतार सिंह एवं वीरांगना प्रेम देवी ने स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान दी गई यातनाओं का उल्लेख करते हुए उपस्थित पदाधिकारियों को भीतर तक झंकृत किया। अमर शहीद मंगल पाण्डेय के प्रपौत्र श्री रघुनाथ पाण्डेय, शहीदे आजम नवाब मज्जू खान के प्रपौत्र श्री सलीमुद्दीन फारूकी तथा अमर शहीद राजा देवी बक्श सिंह के वंशज श्री माधवराज सिंह ने भी आजादी के अनछुए तथ्यों से सेनानी परिवारों को झकझोरा। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति के राष्ट्रीय महासचिव तथा आयोजन के मुख्य प्रवक्ता श्री जितेन्द्र रघुवंशी ने सेनानी परिवारों को अपनी गरिमा पहचानने की प्रेरणा देते हुए कहा कि हमारे पूर्वजों के त्याग और बलिदान से मिली आजादी का सुख भोग रही सरकारों ने सेनानी परिवारों को भिखारी की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद ही सेनानी परिवारों को राष्ट्रीय परिवार घोषित करके इन परिवारों का सम्पूर्ण दायित्व सरकार को उठाना चाहिए था, किन्तु दुर्भाग्य है कि इन परिवारों का करुण क्रन्दन भी सरकारों को नींद से नहीं जगा पा रहा है। हरदोई से पधारे स्वतंत्रता सेनानी परिवार प्रतिनिधि आचार्य राम महेश मिश्र के मंचीय समन्वयन व संचालन में सम्पन्न सम्मेलन में बोलते हुए श्री रघुवंशी ने सेनानी परिवारों को अपना पुरुषार्थ तराशने और अपने पूर्वजों के सम्मान तथा अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए संकल्पित करते हुए कहा कि अब पुनः इतिहास दुहराने के लिए तैयार हो जाएं, अन्यथा गौरैया पक्षी की भांति सेनानी परिवार भी लुप्त प्रजाति की श्रेणी में आ जाएंगे। उन्होंने श्अभी नहीं तो कभी नहींश का उद्घोष करते हुए कहा कि यह समय हाथ पर हाथ रखकर बैठने का नहीं है, बल्कि साढ़े आठ करोड़ स्वतंत्रता सेनानी शहीद परिजनों को संगठित करके राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का अनुकरण करने का है। देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह महात्मा गांधी ने अंग्रेजी सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए चम्पारण से सत्याग्रह आन्दोलन की शुरुआत की थी, उसी तरह अब उनके उत्तराधिकारी अपने पूर्वजों के सम्मान तथा अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए चम्पारण से आन्दोलन का बिगुल बजाने जा रहे हैं। चम्पारण के बाद हर राज्य की राजधानी में सेनानी परिवार अपनी शक्ति का एहसास सरकारों को कराएंगे, तत्पश्चात राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के महासंग्राम का उद्घोष होगा। सेनानी परिवारों को कपूर सिंह, चहलारी नरेश उत्तराधिकारी आदित्य भान सिंह, रमेश कुमार मिश्र, इशरत उल्ला खान, सुरेश चंद्र बबेले, सूर्य कुमार पांडेय, महन्थ प्रजापति, राजेश सिंह, अरुण सिंह तथा श्रीमती प्रेम देवी, रमेश उपाध्याय, अरुण प्रताप सिंह, मधुसूदन झा, अवधेश पन्त, रामचन्द्र पिल्दे व अनिल त्रिपाठी एडवोकेट ने भी संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन मुख्य संयोजक रमेश मिश्र ने किया। इससे पहले प्रातःकाल जनपदीय सेनानी सदन में ध्वजारोहण किया गया और स्थापित महापुरुषों की मूर्तियों पर माल्यार्पण किया गया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में रिकार्ड 103217 वादों का हुआ निस्तारण

सेटेलमेन्ट की कुल धनराशि रही रु 8 करोड़ 42 लाख 27 हजार 584

बहराइच। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच उत्कर्ष चर्तुवेदी की अध्यक्षता तथा चर्तुथ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्नोडल अधिकारी, लोक अदालत बहराइच सुरजन सिंह के मार्गदर्शन से जनपद बहराइच में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया तथा इस लोक अदालत में जनपद के पुराने सभी रिकार्ड तोड़कर कुल 103217 वादों का निस्तारण किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में सेटेलमेन्ट की कुल धनराशि रू 8 करोड़ 42 लाख 27 हजार 584 रही।

राष्ट्रीय लोक अदालत में प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय शेषमणी की अध्यक्षता में कुल 32 पारिवारिक विवाद का निस्तारण किया गया। इसके अतिरिक्त 59 सिविल वाद, 4431 फौजदारी के मुकदमें, बैंक रिकवरी के 791 मामले, राजस्व विवाद के कुल 97018 मामले, जिसमें नगर मजिस्ट्रेट द्वारा 46 मामले, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद द्वारा 1696, उपायुक्त राज्य कर, बहराइच के 581 मामले, बन्दोबस्त चकबन्दी अधिकारी द्वारा 46 मामले तथा अध्यक्ष, जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वारा 5 मुकदमों का निस्तारण किया गया।

इससे पूर्व जनपद न्यायाधीश श्री चतुर्वेदी ने प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय शेषमणी, चतुर्थ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशविशेष न्यायाधीश (ई.सी.एक्ट)ध नोडल अधिकारी, लोक अदालत सुरजन सिंह, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम प्रकाश पाण्डेय, विशेष न्यायाधीश (एस.सी.ध्एस.टी.एक्ट) राकेश कुमार, तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश इंद्र प्रकाश, विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) वरुण मोहित निगम, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट–प्रथमधविशेष न्यायाधीश (एन.डी.पी.एस.एक्ट) मनोज कुमार मिश्रा, सिविल जज (सी.डी.) (एफ.टी.सी.)ध्प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच अनुपम दीक्षित व ए.सी.जे.एम. (पूर्व सचिव) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कृष्ण कुमार व अन्य न्यायिक अधिकारियों के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर व मॉ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर न्यायालय परिसर में जगह–जगह हेल्पडेस्क बनाये गये, जिनके द्वारा वादकारियों को आवश्यक सहायता प्रदान की गई। जनपद न्यायाधीश व चतुर्थ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशध्नोडल अधिकारी, लोक अदालत एवं प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच अनुपम दीक्षित, द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत को अत्यधिक सफल बनाने हेतु समस्त न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस प्रशासन, अधिवक्तागण, बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों एवं वादकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गय।

बाल दिवस के मौके पर याद आते है मम्मू मियां

दैनिक बुद्ध का संदेश

मसौली/बाराबंकी। चाचा नेहरू के जन्मदिन पर तीन दिनों तक चलने वाली प्रदर्शनी एव बाल मेला आज भी कस्बा बड़ागाँव वासियो की अतीत में बना हुआ है इस मौके पर लोग समाजसेवी स्व0 इशरत अली किदवई उर्फ मम्मू मियां की कसरत को याद करना नहीं भूलती है। उल्लेखनीय हो कि 5 दशक पूर्व जब क्षेत्र में प्राथमिक शिक्षा के बाद जूनियर शिक्षा के लिए शहर की ओर जाना पड़ता था उस दौर में मम्मू मियां कस्बा बड़ागाँव में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व0 शफीकुर्रहमान किदवई की स्मृति में शफीक उर रहमान मेमोरियल जूनियर हाई स्कूल की नींव रखकर क्षेत्र के लोगो को

उच्च शिक्षा की मुख्य धारा में जोड़ने का काम किया था इस स्कूल में पढ़ने वाले तमाम प्रतिभाएं उच्च अधिकारियों के रूप सेवाएं दी। मम्मू मियां पण्डित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन 14 नवम्बर को धूमधाम से मनाते थे उस दौर में लगने वाली प्रदर्शनी एव बाल मेला जिले की पहचान बना था। तीन दिनों तक चलने वाले बाल मेले में तमाम कार्यक्रम आयोजित होते थे। बाल मेले में बिसतखाने की दुकानो के आलाव बच्चों के खिलौने की तमाम दुकाने, झूले लगते थे बच्चों से बेइंतेहा मोहब्बत करने वाले मम्मू मियां खुद भी बच्चों की हौसला अफजाई के लिए खुद ही बच्चों की तरह दुकानों से तमाम सामान खरीद कर वहां मौजूद बच्चों में ही बांट दिया करते थे बच्चों की खुशी के लिए वह हर वक्त सब कुछ करने को तैयार रहते थे आज उस दौर के बाल मेले में दुकानें लगाने वाले बच्चे खुद बच्चों के बाप हैं लेकिन वह हर साल 14 नवंबर को अपने जरिए लगाए गए मेले और मम्मू मियां से मिली मोहब्बत को दिल से याद करना नहीं भूलते है और अपने बच्चों को भी फख्र से आज के दिन के बारे में बताते हैं। ऐसे महान समाजसेवी मम्मू मियां 31 अगस्त 1988 को दुनिया से अलविदा हो गये जिसके बाद न तो स्कूल बचा और न ही बाल मेला लगा परन्तु चाचा नेहरू के जन्मदिन पर लोगो को मम्मू मियां की याद जरूर आती है जो इतिहास बन चुका है।

"पराली नही जलायेगे, प्रदूषण से मुक्ति पाएंगे" नारे के साथ हुई रेस प्रतियोगिता

गोसाईगंज–अयोध्या। गोसाईगंज विधानसभा मुख्यालय पर लोकसभा अम्बेडकरनगर के सांसद रितेश पांडे की अगुवाई में मैराथन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत सुबह7बजे कस्बे के पूर्वी सिरे पर स्थित रामबली नेशनल इंटर कालेज से हजारो की संख्या में छात्र छात्राओं ने "पराली नही जलायेगे,प्रदूषण से मुक्ति पाएंगे"के नारे के साथ रेस प्रतियोगिता हुई, जो पांच किमी दूर टन्डौली क्रासिंग पर जाकर समाप्त हुई। रेस प्रतियोगिता में भाग ले रहे छात्र छात्राओं का उत्साह वर्धन करने के लिए सभासद शशिकुमार अँगियार ने अपने सहयोगियों के साथ पुष्पवर्षा किया।रेस प्रतियोगिता की शुरुआत सांसद रितेश पांडे ने हरी झंडी दिखाकर किया।इस दौरान सांसद रितेश पांडे ने कहाकि पराली का उपयोग जानवरो के चारे के लिए हो सकता है।पराली को रेशे में बदलकर बाजारों में बेचा जा सकता है।पराली को प्राकृतिक खाद के रूप में,मशरूम उगाने,पेपर और निर्माण उद्योगों में कच्चे माल के रूप में किया जा सकता है।सुबह शुरू हुई मैराथन रेस को देखने के लिए सड़को के दोनों तरफ हुजूम उमड़ पड़ा और रेस में भाग ले रहे प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया।सुरक्षा व्यवस्था में कोतवाली पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही।उक्त अवसर सभासद शशिकुमार अँगियार, आनंदकुमार,अजयकुमार,दीपक,वेद प्रकाश,देवीप्रसाद, अंकुर,शिवम,अनूप,संजय,अशोक कुमार,रामअवतार, लल्लू भोजवाल सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

उचित मुआवजे के लिए सीएम योगी से मिलेंगे व्यापारी

–17 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी के दरबार में जाएंगें पीड़ित दूकानदार

अयोध्या। राम मंदिर दर्शन सुलभ बनाने के लिए रामनगरी में बन रहे विभिन्न पथों भक्ति, राम व आस्था पथ से प्रभावित दुकानदार अपनी फरियाद लेकर 17 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी के दरबार में जाएंगे। उत्पीड़न बंद न होने पर व्यापारियों ने अनिश्चिकालीन बंदी कर कारोबार ठप करने और आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है। पत्रकारों से वार्ता करते हुए अयोध्या उधोग व्यापार मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष नन्द कुमार गुप्ता ने भक्तिपथ एवं रामपथ कार्ययोजना के संबंध में कहा जिलाधिकारी संग समन्वय बैठक में भक्तिपथ की चौड़ाई 13मीटर,रामपथ की चौड़ाई 20मीटर तय होने के बावजूद भक्तिपथ पर 14 मीटर लिया जा रहा है एवं रामपथ पर 24 मीटर की मुनादी कराया जाना प्रशासन की वादा खिलाफी है।प्रशासन भक्तिपथ पर गैरकानूनी रूप से डीपीआर से ज्यादा कई जगह जमीन अधिग्रहण कर रहा है,राम नारायन मौर्या ने कहा जब कार्ययोजना सहमति के आधार पर कराना तय हुआ है तो जन्मभिम बाजार के दुकानदारो से अभी सहमति ना बन के बावजूद प्रशासन डराधमका कर आधार पासबुकध्सहमति हासिल करने का प्रयास कर रहा है मना करने पर जबरिया उपरोक्त बाजार को सील कर नया वैकल्पिक दर्शन निकासी मार्ग खोल दिया है जिससे हम लोगो की जीविका पर संकट आ गया है प्रशासन के तानाशाही रवैये के खिलाफ जन्मभूमी बाजार के व्यापारी 17 नवबंर को लखनऊ पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी से मिलकर अपनी पीड़ा कहेगे। अनुपम मिश्रा ने कहा उपरोक्त बाजार के 15 दुकानदारो का किरायेदारी का मामला सिविल जज जूनियर डिविजन के यहां 2016 से कोर्ट में है ओर स्टे प्राप्त है। बीस साल से किरायेदारी की रसीद है नगर निगम असिसमेंट मे सभी लोगो का नाम दर्ज होने के बावजूद प्रशासन द्वारा उपरोक्त कब्जा को अवैध बताकर जबरिया गिराने की मुनादी कराया जाना गलत है।

बृजकिशोर पाडे ने कहा पुराने सर्किल रेट के बजाय नये सर्किल रेट से चार गुना जमीन का मुवाअजा दिया जाना चा एवं भवन का ऐक्सरेसिया (पुर्नवास के लिए सहायता राशि)जिस प्रकार भक्तिपथ पर न्यूनतम एक लाख से अधिकतम दस लाख दी गयी है उसी प्रकार राम पथ पर इसको बढ़ाकर न्यूनतम पांच लाख से अधिकतम बीस लाख तक किया जाना चाहिए।शैलेन्द्र गुप्ता ने राजद्वार पार्क के पास बन रही अस्थायी दुकानो को रास्ता कनकभवन से नजरबाग रास्ते पर खोलने की बात कही।संजय गुप्ता ने कहा दुकानो को तोड़फोड़ के पहले प्रशासन ने मकानमालिक से मौखिक समझौता कराया था कि पुर्ननिर्माण किरायेदार करा सकते है लेकिन अब दुकान टूटते ही मकानमालिक नयी किरायेदारी नया ऐग्रीमेंट की बात करने लगा है। इधर कुछ दिनो से उपरोक्त दोनो कार्ययोजना में प्रशासन तय मसौदे से वादा खिलाफी कर डराधमका कर व्यापारी समाज को हैरान परेशान किये है।उपरोक्त उत्पीड़न के खिलाफ अपने रोजी रोटी को बचाने के लिए व्यापारी समाज चरणबतरीके वृहद जन आन्दोलन करने जा रहा है। प्रेस वार्ता में शिव नारायण पटेल,पुरष्णोतम झा,विजय गुप्ता,अभिषेक मौर्या ,मुन्ना मौर्या,जगन्नाथ यादव आदि शामिल रहे।

छात्राओं को बहला–फुसलाकर ले जाने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मिल्कीपुर–अयोध्या। थाना खंडासा क्षेत्र की दो सगी बहने क्षेत्र के एक इंटर कॉलेज में बीते 28 अक्टूबर की सुबह जा रही थी उसी बीच कोतवाली रुदौली क्षेत्र के एक युवक अपने सहयोगी के साथ पहुंचकर कक्षा 9 में पढ़ने वाली छात्रा को बहला–फुसलाकर लेकर रफूचक्कर हो गया था। गायब हुई छात्रा की बहन ने घर पहुंचकर घटना की पूरी जानकारी परिजनों को दी थी, बालिका के बताने के अनुसार परिजनों ने थाना खंडासा पहुंचकर रुदौली कोतवाली क्षेत्र के दो युवकों के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 261ध्22 धारा 363 के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों आरोपियों की तलाश कर रही थी, छात्रा को बहला–फुसलाकर ले जाने वाले दोनों आरोपी बड़ागांव तिराहे पर खड़े होकर किसी का इंतजार कर रहे थे। सूचना मिलते ही खंडासा थाने के उप निरीक्षक प्रमोद कुमार यादव ,कांस्टेबल शिव कुमार ,सद्दाम हुसैन मौके पर पहुंचकर अंशुल पुत्र अभय राज निवासी ग्राम कैस्थाना कस्बा रूदौली, व शिवपुत्र सेवक निवासी ग्राम रौजागांव कोतवाली रुदौली जनपद अयोध्या पकड़कर थाने ले आए । वहीं दूसरी ओर थाना क्षेत्र के एक गांव कि नाबालिग बालिका को पड़ोसी गांव का युवक बहला–फुसलाकर लेकर रफूचक्कर हो गया था नाबालिग बालिका के परिजनों ने खंडासा थाने में पड़ोसी गांव के युवक के खिलाफ 363, 366,506 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। कुमारगंज थाने की पुलिस टीम गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही थी लेकिन सफलता हाथ नहीं लग नहीं थी मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने आज डबल नहर ओरवा टण्डवा अमानीगंज से उप निरीक्षक विनय कुमार यादव कांस्टेबल धर्मेंद्र यादव कांस्टेबल मुनीस कुमार ने गिरफ्तार कर थाने ले आये।थानाध्यक्ष खंडासा संतोष कुमार सिंह ने बताया कि उपरोक्त आरोपियों को पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

वीरांगना ऊदा देवी का शौर्य दिवस बनाने को लेकर की बैठक

अयोध्या। पासी कल्याण परिषद द्वारा महाराजा बिजली पासी के किले बढ़ई का पुरवा सहादतगंज पर 16 नवम्बर को वीरांगना ऊदा देवी का शौर्य दिवस एवं महाराजा बिजली पासी की मूर्ति स्थापना दिवस को मनाए जाने हेतु व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाज का इतिहास उजागर कर राजा महाराजाओं की गौरव गाथा एवं सामाजिक उत्थान सहित सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक जागरूकता पर चर्चा परिचर्चा की जाएगी।

साथ ही समाज के मेधावी बच्चों को पुरस्कृत एवं समाज सेवकों को सम्मानित भी किया जाएगा द्यइस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि –प्रोफेसर डॉक्टर रामगुलाम राजदान कुलाधिपति मालवांचल विश्वविद्यालय इंदौर मध्य प्रदेश मुख्य वक्ता डॉक्टर सूरज बहादुर प्रोफेसर हिंदी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग लखनऊ माननीय सुरेश चंद पूर्व प्राविधिक अधिकारी सीडीआरआई भारतीय नागरिक सेवा समिति लखनऊ एवं माननीय मोतीलाल कश्यप पूर्व मुख्य प्रबंधक सेंट्रल बैंक आफ इंडिया अध्यक्ष पासी एकता मंच लखनऊ साथ ही विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में डॉक्टर जयकरण पूर्व पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट सीएचएस स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली को आमंत्रित किया गया है।

इसके लिए संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी समाज के लोगों से मुलाकात कर लोगों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित कराने हेतु जनसंपर्क चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में संगठन के पदाधिकारियों द्वारा विकासखंड सोहावल के ग्राम खिरौनी–सुहावल यपंडितपुर यबरौलीय सुखावा यलहरापुरय लाखोरी बड़ागांव विकासखंड मसौधा के ग्राम बिछिया ताजपुर कुर्रा गोपालपुर ध्गौहनिया यरानी बाजार सरियावा वल्लीपुर यअमोना यपासी का पुरवा मशीनिया काली पांडे का पुरवा विकासखंड पूरा बाजार मिर्जापुर कूड़ा केशवपुर समाहा कला सुजानपुर यसिरसिंडा हलाली तारा बैसिंग सनेथू लक्ष्मणपुर चरेरा विकासखंड अमानीगंज अटेसर भीखी का पुरवाय सहुलारा आदि गांव का दौरा कर लोगों की अधिक से अधिक सहभागिता कराए जाने हैं पुरजोर अपील की गई भ्रमण में प्रमुख रूप से राम अवध महामंत्री उमेश चंद्र उपाध्यक्ष राम अवध रेलवे वरिष्ठ उपाध्यक्ष लल्लन कोषाध्यक्ष संजय पासवान संगठन मंत्री सोहनलाल अतिरिक्त मंत्री हनुमान प्रसाद कल्याण मंत्री जयप्रकाश भारती प्रचार मंत्री राज्यपाल मंत्री सोहावल सहित अनेकों लोग शामिल रहे।

सपा ने तेजी की निकाय चुनाव तैयारी

अयोध्या। समाजवादी पार्टी में निकाय चुनाव की तैयारी तेज हो गयी है। आरक्षण की स्थिति स्पष्ट होते ही प्रत्याशियों से आवेदन लिया जाएगा । निवर्तमान सपा जिला अध्यक्ष गंगा सिंह यादव ने बताया की समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने निकाय चुनाव के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं जिसके अनुसार चयन समिति ही प्रत्याशियों का चयन करेगी ।नगर निगम के मेयर पार्षद , नगर पालिका के अध्यक्षों व सदस्यों तथा नगर पंचायत के अध्यक्ष व सदस्यों के लिए अलग अलग चयन समिति का गठन किया जाएगा । सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि नगर निकाय चुनाव के लिए सपा जिला अध्यक्ष गंगासिंह यादव ने तैयारी तेज कर दी है आरक्षण आते ही आवेदन लेकर प्रत्याशियों की चयन प्रक्रिया को पार्टी द्वारा गठित की गई चुनाव समिति की बैठक मे रखकर प्रदेश नेतृत्व को निर्णय हेतु भेजा जाएगा ।

बाल दिवस खेलकूद व मेले का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। चतरा स्थित रघुकुल एकेडमी में सोमवार को बाल दिवस के अवसर पर जहां बाल मेले का आयोजन किया गया, वहीं विविध खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यालय के एमडी अजय कुमार द्वारा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इसके अलावा अन्य बच्चों को भी उपहार देकर सम्मानित किया गया। बाल दिवस समारोह में कबड्डी, रस्साकसी, लेमन स्पून रेस, वालीबाल प्रतियोगिता में बच्चों ने प्रतिभाग किया। इसके साथ–साथ बच्चों ने दुकानें भी खूब सजाई, जिसमें बच्चों ने खूब खरीददारी की। इस कार्यक्रम में विद्यालय के एमडी अजय कुमार, संगीता मौर्या, समस्त अध्यापक एवम छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

■ विजयी प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित, दिया गया उपहार
■ चतरा स्थित रघुकुल एकेडमी में हुआ आयोजन

दर्शक से ज्यादा मंच पर नजर आये कवि, दर्शकों के अभाव में फिका पड़ा आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला मुख्यालय पर रविवार को हुए कवि मुशायरा सम्मेलन में उस समय सभी को चौंका दिया जब दर्शक से ज्यादा मंच पर कवि नजर आने लगे आपको बता दें कि जनपद के कुछ स्थानीय कवियों द्वारा लोगों के सहयोग से कवि मुशायरे का आयोजन किया गया था। जिसका प्रचार प्रसार भी लगातार किया जा रहा था। लेकिन रविवार के दिन आयोजको ने सबको चौका दिया जहां जिला मुख्यालय पर स्थित लोहिया कला भवन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए जाना पहचाना जाता है वही कार्यक्रम में दर्शक से ज्यादा शायर एवं होने पर भी प्रश्न चिन्ह लगने लगे वहीं पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर जहां जिला प्रशासन के अधिकारियों को निमंत्रित किया गया था। वहीं उनके ना आने से पूरा माहौल ही खराब हो गया नेताओं में युवा भाजपा नेता एवं नगर पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी राकेश दत्त त्रिपाठी ने आयोजन को संभालने में कामयाबी पाई लेकिन जिला मुख्यालय पर आयोजन होने के बाद भी किसी भी पार्टी के नेताओं का ना होना लोगों के समझ से परे रहा। कवि मुशायरे के दौरान लोहिया कला भवन के अधिक्तर कुर्सियां खाली नजर आई केवल गिने–चुने ही लोग मंच के नजदीक रहे अंत में मुख्य अतिथियों को ना आते देख आयोजकों ने मुख्य अतिथियों के कुर्सियों पर बुला बुला के दर्शकों को बैठना पड़ा निश्चित तौर पर जिला मुख्यालय पर होने वाले कार्यक्रमों में यह कार्यक्रम हमेशा अपने फ्लॉप शो के लिए माना जाएगा आपको बता दें कि जनपद सिद्धार्थनगर में मुशायरा और सम्मेलनो का नाम सुनते ही कुर्सियां खाली नहीं रहती बल्कि कुर्सिया कम पड जाती है। कविसम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए मशहूर शायर डाक्टर जावेद कमाल एवं संचालन युवा कवि पंकज सिद्धार्थ ने बहुत ही सुंदर रचनाएँ प्रस्तुत कर श्रोताओं को प्रेम और भाईचारे का सशक्त संदेश दिया. नूर कासमी, जावेद सरवर, अदनान कमर, रियाज कासिद आदि की रचनाएँ भी बहुत सराही गयीं. देर रात तक चले कार्यक्रम में विकास पांडे, अर्चिष्मन मिश्रा,रामकृष्ण पांडेय, सोनू श्रीवास्तव ,अजय कसौधन, भीम चंद कसौधन ,प्रदीप वर्मा,रामसरन, रवि श्रीवास्तव प्रधानाचार्य सिद्धार्थ महाविद्यालय,अरूण प्रजापति, संतोष श्रीवास्तव, राजेश शर्मा, राणाप्रताप सिंह, नितेश पांडेय, डाक्टर एमपी गोस्वामी, मेराज अहमद, अमित जायसवाल आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। लेकिन जो भी दर्शक लोहिया कला भवन में मौजूद रहें उन्होने शायरो एवं कवियो का खूब लुफ्त उठाया।

राजेश शर्मा

नगर पालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशी राकेश दत्त त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत जिला मुख्यालय पर आयोजित मुशायरा सम्मेलन में किया। युवा व्यवसाई एवं नगर पालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशी राकेश दत्त त्रिपाठी ने कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर किया उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि मौका मिला तो आने वाले समय में नगर पालिका परिषद के बैनर तले स्थानीय कवियों को ज्यादा से ज्यादा मौका दिया जाएगा साथ ही आयोजन में आने वाले सभी खर्चों का निर्वहन नगर पालिका स्वयं करेगी। नगर पालिका अध्यक्ष के पद पर नहीं आता हूं तो भी मेरा सहयोग निरंतर स्थानीय कलाकारों के साथ होगा जहां भी जिस की जरूरत पड़ेगी मैं सदैव तैयार रहुँगा,अंत में राकेश दत्त त्रिपाठी ने आयोजन में आए हुए सभी कवियों एंव शायरो का स्वागत और अभिनंदन किया, साथ ही दर्शकों के रूप में जिला मुख्यालय से आए हुए सभी लोगों को नमन कर आशीर्वाद लिया, राकेश दत्त त्रिपाठी के इन्हीं दरियादिली के कारण आज वह नगर पालिका अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों की दौड़ में सबसे नंबर एक पर चल रहे हैं और लोगों के पसंद बनते जा रहे है। समय को देख कर लाग रहा हैकी राकेश दत्त त्रिपाठी आने वाले समय में नगर पालिका अध्यक्ष पद पर सुशोभित होकर शोभा बढ़ाएंगे और नगर पालिका क्षेत्र को एक नया विकास का आयाम प्रदान करें।

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से पधारे ख्यातिलब्ध कवि डाक्टर शरदेन्दु त्रिपाठी ने वीर रस की रचना–जो रक्त बहा हो गद्दारी में रक्त नहीं हो सकता, देश में हिंसा करने वाला देशभक्त नहीं हो सकता, सुनाकर श्रोताओं में देशप्रेम का प्रबल जोश भरने का प्रयास किया।

दैनिक बुद्ध का संदेश

नियाज कपिलवस्तुवी ने बचपन को समर्पित रचना–नया पाने की चाहत में पुराना भूल न जाएं, बड़े हो जाएं तो बचपन सुहाना भूल न जाएं, बड़ा ओहदा, बड़ा सा घर बड़ी गाड़ी भी हो लेकिन, कभी औकात थी बस चार आना भूल न जाएं,

दैनिक बुद्ध का संदेश

देश की मशहूर शायरा गुले सबा फतेहपुरी ने युवाओं की फरमाइश पर एक से बढ़कर एक रचनाएँ खूबसूरत तरन्नुम में पेश कर मुशायरे को नयी ऊँचाइयों तक पहुंचाया।

दैनिक बुद्ध का संदेश

शहर में आग लग जाएं तो बुझाने कौन आएगा,
हम तेरे गलियों में रहते हैं बताने कौन आएगा,
यहां पर लोग झूठे हैं यहां महफिल भी झूठी हैं,
हमारे दर्द पर मरहम लगाने कौन आयेगा।।
दिलीप....

पुलिस विभाग में कार्यरत युवा कवि दिलीप कुमार द्विवेदी की धारदार पंक्तियों– क्यों नफरतों की हदें बढ़ाने लगे हैं लोग, जलते हुए चिराग बुझाने लगे हैं लोग, सुनकर श्रोताओं की तालियां देर तकगूंजती रहीं.

जिले में खुले अवैध हॉस्पिटल और नर्सिंग होम के खिलाफ ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर के पांचों तहसीलों में कुकर मुत्तो की तरह उग रहे अवैध नर्सिंग होम व हॉस्पिटलों की भरमार को देखते हुए सोमवार को अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने जिला अधिकारी संजीव रंजन को ज्ञापन देकर इन्हें बंद करवाने की मांग की है आपको बता दें कि जनपद में पांच तहसील है और उन में सैकड़ों की संख्या में अवैध नर्सिंग होम व हॉस्पिटल चल रहे हैं लेकिन उन पर किसी प्रकार का कोई रोक नहीं लग पा रहा है आए दिन जहां मरीजों के मरने की खबर आ रही है तो वहीं सीएमओ कार्यालय द्वारा उन्हें बंद भी कराया जा रहा है लेकिन कुछ माह बाद ही अपने आप से नर्सिंग होम खोल लेते हैं जो पूर्ण रूप से सीएमओ कार्यालय की मिलीभगत से होता है अभी एक बैठक में सीएमओ सिद्धार्थनगर बीके अग्रवाल ने बताया कि वह जब भी नसीग्रहोमो को बंद करते हैं तो 1 महीने बाद वह अपने आप खुल जाते हैं जिस समय उन्होंने यह बात कही उस समय सांसद जगदंबिका पाल सहित जनपद के सभी विधायकों जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक आदि मौजूद थे सांसद जगदंबिका पाल ने सीएमओ को आड़े हाथों लेते हुए कहा था कि यदि वह अपने आप खोलते हैं तो पुलिस अधीक्षक में क्या कर रहे हैं उन्हें तुरंत कार्रवाई करने के लिए कहा गया था लेकिन इस तरीके से बचकाना बात करते हुए सीएमओ निश्चित रूप से अवैध हॉस्पिटल के संचालकों को बचाने का कार्य करते नजर आ रहे हैं जिससे विवश होकर अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन सिद्धार्थनगर के जिला अध्यक्ष आशीष कुमार पांडे ने सैकड़ों फार्मासिस्ट की उपस्थिति में जिला विकास अधिकारी शेषमणि सिंह व औषधि निरीक्षक की अनुपस्थिति में कार्यालय सहायक अभय सिंह को ज्ञापन देकर अवैध मेडिकल व झोलाछाप द्वारा चलाए जा रहे नर्सिंग होम व हास्पिटल को बंद करने की मांग की है आशीष कुमार पांडे ने कहा कि झोलाछाप डॉक्टरों की वजह से जहां आए दिन मरीजों की मरने की घटनाएं लगातार आ रही है वहीं पर सरकार की छवि धूमिल हो रही है यदि समय रहते जिला प्रशासन ने इस पर अंकुश नहीं लगाया तो हमें विवश होकर शासन में इसकी शिकायत करनी पड़ेगी अब देखना है कि भारतीय एसोसिएशन के आग्रह पर जिला प्रशासन कौन सा कदम उठाता है।

नेहरू युवा केंद्र पर मनाया गया स्थापना दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। युवा कार्यक्रम, एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की इकाई नेहरू युवा केंद्र सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में केंद्र कार्यालय पर नेहरू युवा केंद्र संगठन स्थापना दिवस 50वे वर्ष गाठ के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव के निर्देशानुसार किया गया। जिसमें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तौर पर धीरेंद्र एवं नित्यानंद शुक्ल तथा पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक अंब्रीश मणि त्रिपाठी द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरू के छाया चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। कार्यक्रम संचालक रुपेश मिश्र द्वारा नेहरू युवा केंद्र स्थापना की रूप रेखा एवं उद्देश्य के बारे के युवाओं व युवा स्वयंसेवकों को जानकारी दी। उक्त कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा युवाओं को नई दशा के ऊर्जा के साथ बढ़ने के लिए प्रेरित किया जिससे युवा समृद्ध रहे व राष्ट्र में महत्वपूर्ण योगदान दें सके। उक्त अवसर पर युवा मंडल अध्यक्षध्स्वयंसेवक धीरज कुमार पान्डेय, राम रतन किशुनपाल, राजबली, सनोज, अखिलेश, रमायन, गोविन्द नारायण आदि उपस्थित रहे, एवं ओंकारनाथ मिश्र उपस्थित रहे।

आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुआ बाल दिवस कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बर्डपुर/सिद्धार्थनगर। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिवस बाल दिवस के रूप में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर आदर्श लघु माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर के प्रांगण में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान कई खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई तथा उसमें अव्वल आने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। वहीं विद्यालय के कक्षा दसवीं में सर्वोच्च अंको से उत्तीर्ण छात्रा चंचल गोस्वामी को विद्यालय की ओर से एक साईकिल भेंट की गईं तो वहीं हाल ही में हुए विद्यालय के तिमाही परीक्षा में बेहतर अंकों से उत्तीर्ण प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्र छात्राओं को भी पुरस्कृत किया गया। इस दौरान विद्यालय के प्रबंधक मुक्ति नारायण पाण्डेय ने बाल दिवस के मौके पर प्रथम प्रधानमंत्री पव नेहरू के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए शुभकामना दिया। उन्होंने कहा की नेहरू जी को बच्चों से बहुत लगाव था। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या राजकुमारी पाण्डेय ने बच्चों को टाफी एवं चाकलेट वितरण कर बधाई दिया। कार्यक्रम में संचालक नितेश पाण्डेय, संतोष यादव, उमेश यादव, कलीम अंसारी, पवन पाठक, अर्जुन जयसवाल, बृजेंद्र वशिष्ठ, संतोष उपाध्याय, राजेंद्र विश्वकर्मा, नेहा, रुचि उपाध्याय, महिमा पाण्डेय, रमा गुप्ता, शिवांगी मिश्रा, वंशिका राव, प्रियांशी जयसवाल, चंद्रावती देवी आदि उपस्थित रहे।

फार्मासिस्ट संगठनों ने संयुक्त रूप से बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

तुलसियापुर/सिद्धार्थनगर। यूनाइटेड वेलफेयर फार्मासिस्ट एसोसिएशन और प्रदेश के समस्त फार्मासिस्ट संगठनों द्वारा संयुक्त बैठक का आयोजन ग्लोब पार्क कैसरबाग में किया गया। बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया गया। स्वास्थ्य उपकेंद्र डॉटस सेंटर, वार्ड इत्यादि में फार्मासिस्ट के पद सृजित कर फार्मासिस्ट को नियुक्ति देने हेतु नवनिर्वाचित सरकार के मंत्रियों सहित मुख्यमंत्री से मुलाकात करने की रूपरेखा तैयार की गई। उत्तर प्रदेश फार्मेसी काउंसिल में प्रदेश भर के फार्मासिस्ट के रजिस्ट्रेशन में पंजीकरणध्नवीनीकरण संबंधित समस्याओं के संबंध में चर्चा हुई जिसमें सहमति बनी कि स्वास्थ्य महानिदेशकध्अध्यक्ष फार्मेसी काउंसिल से मुलाकात करके सारे लंबित नवीनीकरण एवं पंजीकरण संबंधी कार्य कराया जाए जिससे कि वर्षों से पेंडिंग पड़े फार्मेसी काउंसिल संबंधित कार्य शीघ्र पूर्ण हो और फार्मासिस्ट सत्यापन कॉलेज से ईमेल के माध्यम से कराया जाए। उत्तर प्रदेश के समस्त फार्मासिस्ट काउंसिल संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिल जाए। चर्चा का मुख्य बिंदु फार्मासिस्ट कैडर पुनर्गठन हेतु प्रयास करना, वर्तमान समय में फार्मासिस्ट के रिक्त पदों को तत्काल भरे जाने की मांग करना सरकारी सेवारत फार्मासिस्ट को संपूर्ण भारत में एक समान वेतन और पदनाम निर्धारित करने का प्रयास करना तथा सरकारी, गैर–सरकारी, सेवा–प्रदाता, आउटसोर्सिंग, हॉस्पिटल, रिटेल शॉप पर कार्यत फार्मासिस्ट, समस्त पदों पर समान वेतन लागू करने के प्रयास के लिए काफी जोर दिया गया। शेड्यूल–ज्ञ को खत्म करने हेतु दवा के क्षेत्र में फार्मेसिस्ट को एकाधिकार दिलाने का प्रयास के लिए काफी जोर दिया गया। फार्मेसी प्रैक्टिस एवं रेगुलेशन एक्ट–2015 को उत्तर प्रदेश में लागू करने हेतु प्रयास के लिए सरकार से मिलने की एक टीम गठित की गई। आज पूरे उत्तर प्रदेश में डेंगू का प्रकोप अत्यंत फैला हुआ है इसकी रोकथाम के लिए भी सामूहिक मंच पर चर्चा करते हुए चिकित्सा क्षेत्र में हर प्रकार की रोकथाम और हर मरीज को दवा पहुंचाने के लिए एक टीम उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में गठन किया गया। अवधेश कुमार मद्धेशिया सुनील शुक्ला को राष्ट्रीय कार्यकारिणी में जगह दी गई। इस बैठक में यूनाइटेड वेलफेयर फार्मासिस्ट एसोसिएशन (न्ि।) राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनित त्यागी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार शुक्ला सदस्य, उत्तर प्रदेश के विभिन्न संगठनों के सदस्य, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष नवीन कुमार वर्मा, महिला प्रदेश अध्यक्ष विनीता गौतम, इंद्रजीत सिंह, जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, सलाउद्दीन, अमित तिवारी, सज्जन गौड़, राजेश सिंह सैकड़ों में फार्मासिस्ट मौजूद थे।

बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय मंगराव के बच्चों ने मारी बाजी

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। मुख्यालय स्थित स्टेडियम में रविवार

को संपन्न हुई तीन दिवसीय जनपद स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में भनवापुर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय मंगराव के बच्चे लोकगीत, लोकनृत्य, समूहगान, राष्ट्रीय एकांकी एवं अंत्याक्षरी में डुमरियागंज की तहसील की तरफ से प्रतिनिधित्व करते हुए जनपद में प्रथम स्थान पर आने में सफल हुए। सोमवार को बाल दिवस के अवसर पर प्रधानाध्यापक दुर्गेश कुमार मिश्रा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में पूर्व वायु सेना कर्मी अनिल कुमार पांडे के गरिमामय उपस्थिति में बच्चों को पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पांडे ने बच्चों को आगे मंडल स्तर के खेलों के लिए विजय होने की शुभकामना दी। प्रधानाध्यापक दुर्गेश कुमार मिश्रा ने बताया कि ये सभी बच्चे विजयी बस्ती में आयोजित मंडल स्तर की बेसिक बाल क्रीडा में जनपद सिद्धार्थनगर की तरफ से भाग लेंगे कार्यक्रम के दौरान निवर्तमान ग्राम प्रधान नीरज यादव कर्ता राम सौरभ श्रीवास्तव प्रदीप कुमार विजय बहादुर विश्वकर्मा बरसाती आदि लोग उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

रहम की रिहाई

समाज में उनका व्यवहार रचनात्मक हो। ताकि उनकी रिहाई पर फिर सवाल न उठ सकें। निस्संदेह, न्याय का चेहरा मानवीय व उदार होना चाहिए, लेकिन उसके दुरुपयोग की गुंजाइश भी नहीं होनी चाहिए। वहीं अदालत सतर्कता बरतते हुए ऐसे फैसलों को अपवाद स्वरूप ही रहने दे तो बेहतर होगा। इसकी...

देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड में शामिल छह अपराधियों की शुक्रवार को हुई रिहाई के मायने गहरे हैं। निस्संदेह, मामले के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। यही वजह है कि कांग्रेस ने फैसले को गलत और अस्वीकार्य बताया है। हालांकि, श्रीलंका में अलग राज्य के लिए आंदोलनरत तमिल चरमपंथियों को लेकर तमिलनाडु में सहानुभूति का रवैया रहा है, जिसके चलते राज्य में इन्हें लेकर सहानुभूति भी थी। राज्य सरकार भी उनकी रिहाई की अपील कर चुकी थी। वैसे इन दोषियों को जेल में तीस साल से अधिक हो चुके थे। इनका जेल में आचरण सकारात्मक रहा और उनके गहन अध्ययन व पढ़ाई की भी खूब चर्चा हुई है। इतना ही नहीं, जेल में सजा पायी नलिनी श्रीहरन से प्रियंका गांधी ने मुलाकात की थी। प्रियंका ने अपने निजी दुख से ऊपर उठकर उन्हें माफ करने की बात भी की थी। राहुल गांधी ने भी ऐसा कहा था। बहरहाल, परिस्थितियां कुछ ऐसी बनीं कि सुप्रीम कोर्ट ने उम्र कैद की सजा पाये दोषियों को रिहा करने के आदेश दिये। दरअसल, मृत्युदंड की सजा पाये एक अपराधी को कोर्ट ने मई में रिहा किया था। यही फैसला शेष कैदियों की रिहाई का आधार भी बना। निस्संदेह, तमिलनाडु के श्रीपेरुंबदूर में 21 मई 1991 को हुई राजीव गांधी की हत्या ने पूरे देश को रुलाया था, ऐसे में पति–पिता के रूप में उन्हें खोने वाले गांधी परिवार को इसे भुलाना सहज नहीं था। उनकी रिहाई पर आई प्रतिक्रिया इसी की परिणति भी थी। बहरहाल, वक्त के साथ भरे जख्मों के बाद गांधी परिवार अपने दुखों से ऊपर उठकर कहने का साहस कर सका कि उसने अपराधियों को माफ कर दिया है। और रिहाई का आधार यह भी था कि दोषी अपनी उम्र का बड़ा हिस्सा जेल में बिता भी चुके थे और कुछ असाध्य रोगों से भी पीड़ित थे। जैसे कि उम्मीद थी, मामले में राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, जो स्वाभाविक है क्योंकि इस दुख को पूरे देश ने महसूस किया था और गांधी परिवार के लिये इसे आसानी से भूलना संभव भी नहीं है। लब्बोलुआब यह कि शीर्ष अदालत का यह फैसला हमारी उदार न्याय व्यवस्था का उदाहरण है, जो दुनिया के कई देशों को न्याय के मानवीय पक्ष पर विचार करने को बाध्य करेगा। ऐसे में रिहा हुए लोगों का भी दायित्व बनता है कि इस उदार रिहाई के बाद समाज में उनका व्यवहार रचनात्मक हो। ताकि उनकी रिहाई पर फिर सवाल न उठ सकें। निस्संदेह, न्याय का चेहरा मानवीय व उदार होना चाहिए, लेकिन उसके दुरुपयोग की गुंजाइश भी नहीं होनी चाहिए। वहीं अदालत सतर्कता बरतते हुए ऐसे फैसलों को अपवाद स्वरूप ही रहने दे तो बेहतर होगा। इसकी वजह यह भी कही जा सकती है कि न्याय के फैसलों का तार्किक आधार ही होता है, न कि भावनात्मक। वहीं यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि दंड का मतलब सुधारात्मक होता है न कि अपराध के मुकाबले का दंड देना। बहरहाल, इस फैसले को जिम्मेदार लोकतंत्र की परिपक्व न्याय व्यवस्था के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

एक बंटा हुआ फैसला

इस निर्णय से इस महत्त्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर नहीं मिला है कि अगर आरक्षण एक तरह का गरीबी हटाओ कार्यक्रम है, तब भी मौजूदा आर्थिक नीतियों के बीच इससे आखिर सवर्णों को असल में कितना लाभ होगा? क्या सवर्ण जातियों (के गरीब तबकों) को भी आरक्षण मिलना चाहिए? क्या ऐसा करना संवैधानिक भावना के अनुरूप होगा? सुप्रीम कोर्ट के सामने वैसे तो कई प्रश्न और थे, लेकिन ये दो बुनियादी सवाल थे। कोर्ट के सामने मुद्दा इसलिए आया, क्योंकि साढ़े तीन साल पहले संसद ने इस आरक्षण का प्रावधान कर दिया था। संसद में जब ये मामला आया, तब वहां बंटी हुई राय सामने आई थी। समाज में इस सवाल पर राय बंटी रही है। राजनीतिक दलों को राय तो अक्सर चुनावी लाभ– हानि की गणना से तय होती है, लेकिन समाज में मौजूद मतभेद का आधार वैचारिक है। इस बारे में असहमति की खाई इतनी चौड़ी है कि इस पर अक्सर बहस तीव्र आक्रोश की हद तक पहुंच जाती है। यही असहमति सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ में ही देखने को मिली है। तीन जजों ने इस आरक्षण को उचित ठहराया, तो दो जजों की राय रही कि ऐसा करना असंवैधानिक है। दो जज तो लगभग यह कहने की हद तक गए कि अब आरक्षण की जरूरत ही नहीं है। चूंकि निर्णय बहुमत से हुआ, इसलिए फिलहाल इस मुद्दे से जुड़े कानूनी मसलों का निपटारा भले हो गया हो, लेकिन इसको लेकर समाज में राय पहले जितनी ही बंटी रहेगी। एक मुद्दा यह भी उठा था कि अगर आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों के लिए अलग से 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था हो रही है, तो क्या उसका लाभ सभी जातियों के गरीबों को नहीं मिलना चाहिए? केंद्र सरकार ने प्रावधान किया था कि ये आरक्षण सिर्फ उन जातियों को मिलेगा, जिन्हें ये लाभ पहले से मौजूद आरक्षण में नहीं मिला हुआ है– यानी यह आरक्षण खास तौर पर सवर्णों के लिए है। सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से इस प्रावधान को भी सही ठहरा दिया है। मगर इस निर्णय से इस महत्त्वपूर्ण प्रश्न का उत्तर नहीं मिला है कि आरक्षण सामाजिक–शैक्षिक पिछड़े लोगों को प्रतिनिधित्व देने लिए अपनाया गया था, यह गरीबी हटाओ कार्यक्रम है? अगर यह गरीबी हटाओ कार्यक्रम है, तो मौजूद आर्थिक नीतियों के बीच इससे आखिर सवर्णों को भी असल में कितना लाभ होगा?

ऑनलाइन फ्रॉड : रोकने की कठिन चुनौती

करीब 55 बैंकों, ई–वालेट्स, ई–कामर्स साइट्स, पेमेंट गेटवे व अन्य संस्थानों ने मिलकर एक इंटरकनेक्ट प्लेटफार्म लांच किया है, जिसका नाम शसिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रश्वड रिपोर्टिंग सिस्टमश है। इस प्लेटफार्म के जरिए कम समय में फाइनेंशियल फ्रश्वड्स के शिकार लागों को बचाया जा सकता है। आप साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कश्वल करके साइबर फ्रश्वड की शिकायत कर...

भगवती प्र. डोभाल

देश भर में ग्राहकों को इस वर्ष की दीपावली में साइबर फ्रॉड के जरिए खूब ठगा गया है। इसकी जांच–पड़ताल साइबर सिक्योरिटी के ग्लोबल लीडर की पहचान रखने वाले नार्टन की ओर से शदि हैरिस्च पोल नाम की संस्था ने की है। संस्था ने त्योहारों के दौरान खरीदारी करने वाली जनता को, जो ऑनलाइन घर में सामान मंगा रहे थे, उनका अध्ययन किया और उसे सार्वजनिक किया है। अध्ययन के अनुसार सव्रे में शामिल दो तिहाई भारतीय लगभग 78 फीसद अपनी गोपनीय जानकारी के गलत इस्तेमाल को लेकर चिंतित थे, दूसरी ओर 77 फीसद लोगों को थ्रड पार्टी रिटेलर की ओर से ठग लिये जाने की चिंता सता रही थी। ऑनलाइन खरीदे गए रिफरबेस्ड डिवाइस के संबंध में 72 फीसद लोग चिंतित थे। सव्रे में शामिल किए गए 69 फीसद लोग अपने खरीदे गए सामान की हैकिंग के बारे में सोचकर भी परेशान थे। सव्रे में 78 फीसद लोगों ने यह भी माना कि अपने डिवाइसेज के माध्यम से ऑनलाइन रहकर समय बिताकर उन्होंने त्योहारों के दौरान अधिक जुड़ा हुआ महसूस किया है। इस बात को भी 74 फीसद लोग मानते हैं कि मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी में यह सहायक रहा है। अध्ययन में 65 फीसद भारतीय वयस्कों ने इस बात पर भी जोर दिया कि यदि त्योहारों के दौरान उनकी ऑनलाइन उपकरणों तक पहुंच नहीं होती, तो उनका मानसिक स्वास्थ्य इससे प्रभावित होता। रिपोर्ट यह भी बताती है कि कितने ही भारतीय त्योहारों के दौरान ऑनलाइन शापिंग करते हुए ठगी के शिकार हुए हैं। सव्रे में शामिल किए गए लोगों में हर व्यक्ति को औसतन करीब 6,216 रुपयों का नुकसान हुआ है। यह तो एक छोटा सव्रे था, लेकिन यदि हम ऑनलाइन शापिंग पर गहरी नजर से देखें, तो कई–कई लोगों को बैंकों में जमा पूंजी से भी हाथ ध ोना पड़ा है। लोग ऑनलाइन शापिंग में माहिर न होने के कारण ऑर्डर किए गए सामान को भी नहीं पा सके। सामान के बदले किसी को मिट्टी–पत्थर मिला तो किसी को वह सामान नहीं मिला, जिसका उन्होंने ऑर्डर किया। घटिया स्तर के सामान से संतोष करना पड़ा। एक भुक्तभोगी से मिलकर पता चला कि जिस सामान को उसने मंगाया था, वह आ तो गया, पर डिफेक्टिव था। उसने उसे वापस किया, इसके बावजूद उसे दोबारा उसी तरह का कंडम पीस भेजा गया। लौटाने–भेजने का यह सिलसिला तीन बार चला, पर सही सामान ग्राहक को नहीं मिल सका कंपनी को उस बात की जानकारी देने का कोई साधन नहीं था, जिसमें डिफेक्टिव पीस की जगह सही पीस को प्राप्त किया जा सकता। कई तो थक–हारकर अपने खर्च किए गए पैसों को बचाने के चक्कर में वैसे ही संतोष कर जाते हैं। कोई सही जानकारी साझा करने वाला ऑनलाइन नहीं मिल पाता है। सिर्फ ऑर्डर करो और घटिया माल को प्राप्त करो। ऐसे बहुत सारे उदाहरण हर वक्त होते रहते हैं। इसी तरह जिसके पास मोबाइल होता है, उसको ढेरों सूचनाएं मिलती रहती हैं। जिसमें बैंक की ओर से संदेश आता है कि आपका इतना होम लोन पास हो चुका है, आप स्वीकृति दें। कहीं गिफ्ट भेजने का संदेश मिलता है तो किसी को ई मेल के जरिये ऐसे गोरखधंधे के संदेश प्राप्त होते हैं तो कहीं कम दरों पर यात्रा करने का ऑफर होता है। जब इनकी असलियत को देखते हैं, तब फाड्र के अलावा कुछ नहीं होता है। तेजी से बदलती दुनिया में जहां आज ज्यादातर काम डिजिटल माध्यम से होता हैय इस बात का डर हमेशा बना रहता है कि कहीं उसके साथ कोई धोखाधड़ी न हो जाए। सेकेंड भर के लिए फोन कॉल आने के भीतर आपका बैंक अकाउंट कुछ ही क्षण में खाली किया जा सकता है। आए दिन ऐसी घटनाएं हो रही हैं और आश्चर्य की बात है कि इस मामले में कार्रवाई बेहद सतही हो रही है। यहां तक कि रिकवरी की दर भी बेहद कम है। इससे बचने के लिए कुछ उपायों पर ध्यान देने की जरूरत है। गृह मंत्रालय और दिल्ली पुलिस के साइबर सेल ने 155260 हेल्पलाइन नंबर शुरू किया है। यदि आप किसी भी तरह के ऑनलाइन फ्रॉड के झांसे में फंस जाते हैं, तो इस नंबर पर काल करें, 7 से 8 मिनट में आपके खाते से उड़ाये गए पैसे जिस आईडी से दूसरे खाते में भेजी गई होगी। हेल्पलाइन, उस बैंक या ई–साइट्स को अलर्ट मैसेज पहुंचाएगा फिर रकम होल्ड पर चली जाएगी। करीब 55 बैंकों, ई–वालेट्स, ई–कामर्स साइट्स, पेमेंट गेटवे व अन्य संस्थानों ने मिलकर एक इंटरकनेक्ट प्लेटफार्म लांच किया है, जिसका नाम शसिटिजन फाइनेंशियल साइबर फ्रॉड रिपोर्टिंग सिस्टमश है। इस प्लेटफार्म के जरिए कम समय में फाइनेंशियल फ्रॉड्स के शिकार लागों को बचाया जा सकता है। आप साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके साइबर फ्रॉड की शिकायत कर सकते हैं। ऑनलाइन कार्य करने की तकनीक तो हमारे पास आ गई है, पर उसके उपयोग और दुरुपयोग दोनों होने के खतरे हैं। इनसे बचने के लिए आपको बेहद सतर्क रहने की जरूरत है।

कांग्रेस : दक्षिणायन राजनीति

ताजपोशी के तुरंत बाद हो रहे हिमाचल और गुजरात के चुनावों के परिणामों की कसौटी पर खडगे को कसना उनके साथ अन्याय होगा लेकिन अगले साल के चुनाव परिणामों की जिम्मेदारी–जवाबदेही से वह नहीं बच पाएंगे। कहना न होगा कि इस बीच संगठनात्मक ढांचा तैयार करने से लेकर राजस्थान समेत तमाम राज्यों में गुटबाजी से निपटने जैसी चुनौतियों से तो खडगे को आये दिन ही दो–चार...

राजकुमार सिंह

राजनयिक से राजनेता बने शशि थरूर को भारी अंतर से हरा कर 80 साल के मल्लिकार्जुन खडगे 137 साल पुरानी कांग्रेस के 98वें अध्यक्ष तो बन गए हैं पर उनकी असली परीक्षा अब होगी। इसलिए नहीं कि 24 साल के अंतराल के बाद कोई गैर–गांध ी कांग्रेस की कमान संभाल रहा है, बल्कि इसलिए भी कि देश की सबसे पुरानी यह राजनीतिक पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। लगातार दो लोक सभा चुनाव और दर्जन भर से भी ज्यादा विधानसभा चुनावों में शर्मनाक पराजय से उपजी निराशा और हताशा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जिस गांधी परिवार को कांग्रेस का स्वाभाविक नेतृत्व माना जाता रहा, उसी पर जी–23 ने बाकायदा पत्र लिख कर सवाल उठाए। जी–23 के अग्रणी नेता गुलाम नबी आजाद ने तो पहले ही राहुल गांधी पर सीधा हमला बोलते हुए जम्मू–कश्मीर में अपनी अलग डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी बना ली पर गांधी परिवार ने खडगे को अध्यक्ष चुनवा कर परिवारवाद और आंतरिक लोकतंत्र, दोनों बिंदुओं पर आलोचकों को जवाब देने की कोशिश की है। बेशक, खडगे की प्रचंड जीत गांधी परिवार के आशीर्वाद का ही परिणाम रही पर उनके पक्ष में मतदान करने वाले कांग्रेस डेलीगेट्स अपनी जिम्मेदारी–जवाबदेही से मुंह नहीं चुरा सकते। राजनीति की सामान्य समझ रखने वाला भी जानता था कि नया अध्यक्ष गांधी परिवार का विस्त ही होगा। अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री पद के मोह में जैसे रंग बदले, उसके बाद तो यह और भी जरूरी था कि कांग्रेस के साथ स्वयं भी साख के संकट से गुजर रहा गांधी परिवार किसी तरह का जोखिम न उठाए। इसीलिए अंतिम क्षणों में खडगे पर दांव लगाया गया। परिवार का आशीर्वाद खडगे को मिला तो उसके मूल में भावी राजनीति की रणनीति भी खोजी जा सकती है। दलित समुदाय से आने वाले खडगे पिछला लोक सभा चुनाव हारने से पहले कर्नाटक के गुलबर्गा से लगातार 10 बार जीत भी चुके हैं। पराभव के दौर से गुजर रही कांग्रेस में चुनावी जीत का ऐसा रिकॉर्ड रखने वाले नेता ज्यादा नहीं हैं पर खडगे को चुनने का यही कारण नहीं है। विधानसभा चुनावों के संदर्भ में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा को अपवाद मान लें तो उत्तर भारत से कांग्रेस लगभग लुप्त हो चुकी है। बिहार और झारखंड में भी थोड़ी–बहुत बची है तो राजद, जदयू और झामुमो से गठबंधन की बदौलत। नहीं भूलना चाहिए कि यही उत्तर भारत भाजपा का मुख्य शक्ति केंद्र भी है। उत्तर भारत के 10 राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों रू उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर से 180 लोक सभा सांसद चुने जाते हैं। 2019 के लोक सभा चुनाव में इनमें 122 सीटें भाजपा की झोली में गई। भाजपा को उत्तर भारत से कितनी जबर्दस्त शक्ति मिलती है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उसने 50 प्रतिशत मत हासिल करते हुए उत्तर प्रदेश की 80 में से 62 लोक सभा सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस रायबरेली की एकमात्र सीट तक सिमट गई। स्वयं राहुल गांधी अमेठी से हार गए। उन्हें ऐसी आशंका रही होगी, तभी शायद वह केरल के कोट्टायम से भी लोक सभा चुनाव लड़े, और जीत भी गए। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने भाजपा से 2018 के विधानसभा चुनावों में सत्ता छीन ली थी लेकिन चंद महीने बाद हुए लोक सभा चुनाव में पासा पलट गया। हरियाणा में कांग्रेस खाता तक नहीं खोल पाई। इसी साल हुए विधानसभा चुनाव में आप ने पंजाब में जैसी प्रचंड जीत हासिल की है, उसके मद्देनजर वहां भी कांग्रेस की राह दुष्कर हो गई है। संभव है कि नीतीश कुमार की महागठबंधन में वापसी से बिहार के चुनावी समीकरण कुछ बदल जाएं पर उसमें कांग्रेस की हिस्सेदारी बहुत ज्यादा नहीं होगी। ऐसे में मल्लिकार्जुन खडगे को अध्यक्ष बना कर कांग्रेस ने दक्षिण भारत में अपनी जमीन बचाने और भाजपा का विस्तार रोकने की रणनीति बनाई लगती है। 2019 के लोक सभा चुनाव की ही बात करें तो दक्षिण भारत की कुल 130 सीटों में से भाजपा–नीत राजग के हिस्से 30 सीटें ही आई जिनमें से 25 कर्नाटक से मिलीं। कर्नाटक में लोक सभा की 28 सीटें हैं। पिछले विधानसभा चुनाव के बाद के घटनाक्रम से तो लगता है कि इस बार भाजपा के लिए कर्नाटक में पुराना प्रदर्शन दोहरा पाना मुश्किल होगा। तमिलनाडु के मतदाता अपने मन का संकेत विधानसभा चुनाव में दे ही चुके हैं। पुडुचेरी और लक्षद्वीप में एक–एक लोक सभा सीट है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में क्षेत्रीय दलों वाईएसआर कांग्रेस और टीआरएस का राज है। वाईएसआर का रुख केंद्र सरकार के प्रति सहयोगात्मक रहा है पर वह भाजपा को राज्य में पैर जमाने देने का जोखिम तो नहीं ही उठाएगी जबकि टीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव तो खुद ही पीएम बनने के लिए विपक्षी ध्रुवीकरण में जुटे हैं। ऐसे में दक्षिण भारत में कांग्रेस को बड़ी चुनावी सफलता मिले या नहीं पर वह भाजपा का प्रभाव सीमित करने में कोई कसर नहीं छोडना चाहेगी। भाजपा से मित्रता न रखने वाले क्षेत्रीय दल भी दक्षिण में बढ़त पाएं तो कांग्रेस को ज्यादा परेशानी नहीं होगी। कांग्रेस की इस रणनीति की पहली परीक्षा अगले साल हो जाएगी जब कर्नाटक, तेलंगाना समेत देश के 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे। इनमें कांग्रेस शासित राजस्थान और छत्तीसगढ़ के अलावा मध्य प्रदेश भी शामिल हैं, जहां ज्योतिरादित्य सिंधिया के दल बदल के चलते कांग्रेस की सरकार गिर गई। पूर्वोत्तर के राज्य छोटे अवश्य हैं पर वहां कांग्रेस, भाजपा को सीधी टक्कर देने में समर्थ है। ऐसे में हिमाचल और गुजरात के विध ानसभा चुनाव तथा अगले साल 10 राज्यों के विधानसभा चुनाव केंद्रीय सत्ता के लिए 2024 में होने वाले मुकाबले का सेमीफाइनल माने जा सकते हैं। ताजपोशी के तुरंत बाद हो रहे हिमाचल और गुजरात के चुनावों के परिणामों की कसौटी पर खडगे को कसना उनके साथ अन्याय होगा लेकिन अगले साल के चुनाव परिणामों की जिम्मेदारी–जवाबदेही से वह नहीं बच पाएंगे। कहना न होगा कि इस बीच संगठनात्मक ढांचा तैयार करने से लेकर राजस्थान समेत तमाम राज्यों में गुटबाजी से निपटने जैसी चुनौतियों से तो खडगे को आये दिन ही दो–चार होना पड़ेगा। इन चुनौतियों से कैसे निपटते हैं–उस पर भी उनकी स्वतंत्र छवि, नेतृत्व की स्वीकार्यता तथा हताशा से कांग्रेस की मुक्ति निर्भर करेगी।

एस एन जी पब्लिक स्कूल में बाल दिवस का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

चोपन/सोनभद्र। एस.एन.जी पब्लिक स्कूल में बाल दिवस के शुभ अवसर पर बाल मेला तथा हस्तचित्र प्रदर्शनी का सुंदर आयोजन किया गया। विद्यालय के बच्चों एव शिक्षकों को चार ग्रुपों में बांटा गया था जो अलग अलग कक्षाओं में अपने कलाकृतियों को प्रदर्शित किए थे। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और अद्भुत चित्र कला का प्रदर्शन किया, प्रदर्शनी में कुछ बच्चे किसान बने हुये भारतीय प्रचलित खेती के तरीकों से दर्शकों को अवगत करा रहे थे वहीं ग्रामीण परिवेश में महिलाओं के रहन सहन

व्यवहार और घरेलू कार्य के साथ साथ खेतीबाड़ी में उनके सहयोग और मनोरंजन के तरीकों को भी खुबसूरती से रेखांकित किया गया था। बाल मेलें में बच्चे स्वनिर्मित समोसें चाय मिठाईयों की बिक्री कर रहे थे। प्रदर्शनी का उद्देश्य बच्चों में पढ़ने के साथ–साथ उनमें नैसर्गिक प्रतिभा का विकास करना था ताकि सामाजिक जीवन व ग्रामीण संस्कृति से वे परिचित हो सके। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत तथा अतिथियों द्वारा फीता काट कर किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के उत्साहवर्धन के लिये भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य प्रदीप अग्रवाल व व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजय जैन द्वारा सहयोग राशी भी दी गई। वहीं इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह, सत्यप्रकाश तिवारी, श्यामा चरण गिरी, हीरालाल वर्मा, शेरखान, सत्येन्द्र उर्फ गुड्डू मिश्रा, मनोज चौबे, ज्ञानेन्द्र पाठक, सद्दाम कुरैशी, विनीत शर्मा आदि एव आए हुए अतिथियों का आभार प्रबन्धक राजेश गोस्वामी ने व्यक्त किया एव स्वागत प्रधानाचार्य सूर्यप्रकाश एव ललन प्रसाद ने किया। सहायक शिक्षक एव शिक्षिका उपस्थित रहे।

बाल दिवस पर निकाली गई बाल अधिकार जागरूकता रैली

■ मानव सेवा संस्थान द्वारा आयोजित की गई संगोष्ठी

■ सीमाई क्षेत्र के 10 गांवों में निकाली गई बाल अधिकार जागरूकता रैली

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्म दिन बाल दिवस पर मानव सेवा संस्थान सेवा बरगदवा गोरखपुर के निदेशक राजेश मणि के निर्देशानुसार सोमवार को मानव सेवा संस्थान श्सेवाश् शाखा कार्यालय ककरहवा पर सेवा द्वारा बाल अधिकार विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी से पूर्व देश के प्रथम प्रधानमंत्री पण्डित जवाहर लाल नेहरू के चित्र पर सभी अतिथियों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। आये हुए सभी अतिथियो को केंद्र प्रभारी जय प्रकाश गुप्ता ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ शरदेन्दु त्रिपाठी ने कहा कि बच्चे मन के सच्चे होते हैं, जिनको अपने अधिकार का ज्ञान नहीं होता, लेकिन ये हम सब की जिम्मेदारी बनती है कि बच्चों का क्या क्या अधिकार है, वो अधिकार बच्चों को दिलाने का कार्य हम सबको करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू बच्चों से बहुत प्यार करते थे, इसलिए बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहा करते थे। बच्चों से ज्यादा लगाव उनका होने के नाते उनका जन्म दिन बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर सशस्त्र सीमा बल 43वीं वाहिनी की सीमा चौकी ककरहवा के समवाय प्रभारी निरीक्षक केपीएम वंजीनाथन ने कहा कि आज बच्चों का दिन है, आज का यह दिवस बच्चों को समर्पित है। सभी बच्चे पढ़े लिखे आगे बढ़े, यह आपसब बच्चों का अधिकार है, पढ़ाई के साथ खेल का भी अधिकार है। बच्चों को अपनी अभियक्ति का अधिकार भी है, घूमने का अधिकार भी है। इसलिए सभी जिम्मेदारों को अपनी जिम्मेदारी बच्चो के प्रति जो दी गई है, उसको बखूबी निभाना चाहिए। संगोष्ठी को सीमा शुल्क निरीक्षक राम जियावन, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि दिलीप पाण्डेय ने भी सम्बोधित किया। संगोष्ठी के उपरान्त मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। ततपश्चात बच्चों को गुब्बारा, मिठाई, चॉकलेट, पेंसिल इत्यादि वितरित कर बाल दिवस मनाया गया। बाल दिवस पर संगोष्ठी के पश्चात बाल अधिकार जागरूकता रैली भी निकाली गई। रैली को एसएसबी के निरीक्षक केपीएम वांजिनाथन एव प्रधान प्रतिनिधि दिलीप पाण्डेय द्वारा हरि झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। बाल दिवस बाल अधिकार रैली, ककरहवा, निरंजनपुर, फसादीपुर, रघुनाथपुर, चिर्रीपुर, भैसहवा, बनकसिहा, सलहन्तपुर, झंगटी, भुजौली में निकाली गई। तथा बच्चों को मिठाईयां एवं चॉकलेट गुब्बारे वितरित किये गए। कार्यक्रम के दौरान काउंसलर प्रियंका चौधरी, बृजलाल यादव, अखिलेश कुमार, सन्दीप कुमार, सजंय श्रीवास्तव, आकाश शुक्ला, विष्णु कुमार, पियूष त्रिपाठी, सन्नू कुमार, रेखा गुप्ता, अंजनी, गोविंद, दिलीप चौरसिया, जगदीश, कुशहर यादव, प्रमोद कुमार, ज्योति वर्मा, बीपी गुप्ता, पप्पू वर्मा, सुनीता पाण्डेय, लवकुश मौर्या, शिक्षक सजंय कुमार, उमेश जायसवाल, नेहा, मोहित, नित्या, सुमन, अनुज, रामनाथ, पूजा, अभय सिंह, काजल, आरोही, आस्था, सतीश, दुर्गावती, मूरत देवी, अर्जुन, पुनीत, चांदनी निशा, रजनी, रोशनी, सोनम, पीहू शनि सहित सभी रैलियों में भारी संख्या में बच्चें, शिक्षक एवं संस्थान के कर्मी शामिल रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया प्रथम प्रधानमंत्री का जन्म दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का 133 वा जन्मदिवस जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह अन्नू की अध्यक्षता एव सुदामा प्रसाद के संचालन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व प्रत्याशी कपिलवस्तु अध्यक्ष अनुसूचित प्रकोष्ठ देवेंद्र कुमार गुड्डू ने कहा हमको गर्व है की आजादी के बाद हमारे पार्टी का

नेतृत्व प्रधानमंत्री के रूप में सर्वप्रथम पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया। जबकि सोने की चिड़िया कहीं जाने वाली भारत को अंग्रेजों ने लूट घसूट कर खाली कर दिया था। ऐसे समय में देश की जनता को नई दिशा देते हुए देश को स्वावलंबी बनाने के लिए कड़े कड़े कदम उठाते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भारत को एक नई दिशा दी। और अपने कार्यकाल में नए–नए कल कारखानों और शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक और अग्रणी देशों की तरह स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी , निर्माण कर। भारत को अन्य अग्रणी देशों की श्रृंखला में खड़ा कर दिया। अध्यक्षता कर रहे अनिल सिंह अन्नू ने कहां 14 नवंबर को हम लोग बाल दिवस के रूप में भी मनाते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है। कि पंडित जवाहरलाल नेहरू जी बच्चों से अथाह प्रेम करते थे। और बच्चे उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में जानते हुए भी प्यार से चाचा कहते थे। इसीलिए हमारे प्रधानमंत्री का जन्मदिवस बाल दिवस के रूप में 14 नंबर को पूरे देश में मनाया जाता है। इस दिन कांग्रेसी बच्चों के बीच में जाकर प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म दिवस मनाते चले आ रहे हैं। आज जाति, पाति,और नफरत के माहौल में पंडित जवाहरलाल नेहरू जैसे व्यक्तित्व का अनुसरण कर हमें देश की चौमुखी विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए। इस अवसर पर अकरम अली सिद्दीकी, सुदामा प्रसाद, संतोष चौधरी ,उमाशंकर कसौधन इम्तियाज अहमद ,प्रेम चंद्र जायसवाल ,अखलाक अहमद, जाफर अली, सोनू रावत अजीज यशवंत सिंह उपस्थित रहे।

बाद दिवस पर याद किए गए चाचा नेहरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बाद दिवस के अवसर पर सदर ब्लॉक के परिषदीय स्कूलों में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती धूमधाम से समारोहपूर्वक मनाई गई। बीईओ धर्मेन्द्र कुमार पाल ने प्राथमिक विद्यालय चिल्लेदर्रा ग्रांट में नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण के बाद बच्चों को उनके प्रेरक जीवन और आदर्शों के बारे में जानकारी दी तथा बच्चों में पुरस्कार एवं मिष्ठान्न वितरण किया। प्रधानाध्यापक राकेश पांडेय एवं सहायक अध्यापक फिरासत हुसेन आदि उपस्थित रहे। प्राथमिक विद्यालय झंडे नगर में प्रधानाध्यापक नियाज अहमद एवं सहायक अध्यापिका साधना श्रीवास्तव ने बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रोचक प्रतियोगिताएं आयोजित कर बच्चों को पुरस्कृत कर चाकलेट आदि खिलाई। ब्लॉक के लगभग सभी विद्यालयों में बाल दिवस धूमधाम से मनाए जाने के समाचार प्राप्त हुए हैं।

बीएसए देवेंद्र पांडेय ने बच्चों के साथ मनाया बाल दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिन 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। सोमवार को विकास क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय कोल्हुआ में बीएसए देवेंद्र पांडेय ने छात्रों को बेंच देते हुए कहा पंडित नेहरू को बच्चों से बेहद स्नेह था और बच्चे भी उन्हें प्यार से चाचा कहकर पुकारते थे।

चाचा नेहरू हमेशा कहते थे कि देश के स्वर्णिम विकास में बच्चे की अहम भागीदारी है। बीएसए ने छात्रों व अभिभावकों से कहा कि बेंगलूर के निजी कम्पनी में कार्यरत साफ्टवेयर इंजीनियर मिताली झा ने विद्यालय के छात्रों को बैठने के लिए बेंच देकर सराहनीय कार्य किया है। ऐसे नेक कार्यों में समाज के और लोगो को आगे आने की जरूरत हैं। सहायक अध्यापिका प्रीति गौतम ने कहा बीटेक की पढ़ाई के समय मिताली उसकी सहेली बन गई। जिसने 19500 रुपए के लागत से 13 बेच बनवाकर विद्यालय को भेंट किया। इंजीनियर मिताली झा ने बताया कि मेरा बचपन किताबों एवम संगीत के बीच व्यतीत हुआ। अनेक अभावों के बाद भी माता पिता के अथक प्रयास व संघर्ष द्वारा शहर के जाने माने विद्यालय से शिक्षा प्राप्त की। सहायता करने से मुझे जीवन में नई दिशा मिली। जिसे मैंने अपने जीवन का सर्वोपरि लक्ष्य बना लिया। यही कारण है कि कोल्हुआ के कंपोजिट विद्यालय के बच्चों की शिक्षा में कुछ योगदान कर रही हूं। इसके साथ यही कामना करती हूं कि वे बच्चे जीवन में नई चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ेऔर स्वयं सबल होने पर अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाएं। विनोद कुमार, अब्दुल कयूम, सुरेंद्र कुमार, कमलावती आदि लोग उपस्थित रहे।

बाल दिवस के अवसर पर बच्चों ने लिया नशा न करने का संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज तहसील के संविलियत

उच्च प्राथमिक विद्यालय भनवापुर में बाल दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। प्रार्थना सभा में बच्चों को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू के जीवन चरित्र और उनके राष्ट्र विकास में योगदान पर सहायक अध्यापक डा. चन्देश्वर यादव ने विस्तार से प्रकाश डाला। सभा के दौरान समस्त अध्यापकों की इच्छा पर बच्चों ने कक्षा सात की छात्रा मुस्कान मिश्रा को सर्वसम्मति से प्रधानाध्यापक की जिम्मेदारी सौंपी गयी। आज पूरे दिन विद्यालय का समस्त कार्यभार मुस्कान ने बखूबी निभाया। मध्याह्न भोजन के उपरांत मुस्कान ने बाल सभा का आयोजन किया। इसमें विद्यालय के बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे बड़ी बेबाकी से समझाया। बाल सभा में अभिषेक पाण्डेय, आशीष पाण्डेय, अनूप चौरसिया, महेश शर्मा, पिंका वर्मा, अंकिता दूबे, शिवांगी, माधुरी आदि छात्र–छात्राओं ने भी अपने विचार रखे। बाल सभा के अन्त में आज की प्रभारी मुस्कान ने सभी बच्चों व अध्यापकों को जीवन में नशा न करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में लालचन्द वरुण, अखिलेश सिंह, नवरत्न वरुण एवं अमरावती चौधरी की सराहनीय सहभागिता रही।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिस मेले में 11 बेरोजगारों को मिला रोजगार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नौगढ़

सिद्धार्थनगर में सोमवार को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिस मेला का आयोजन सोमवार कराया गया। जिसमें जनपद के कई प्रतिष्ठित अधिष्ठानओं द्वारा प्रतिभा किया गया। उक्त मेले में 11 अभ्यर्थियों को विभिन्न फर्मों द्वारा अपने अधिष्ठान में प्रशिक्षण हेतु चयनित भी किया गया। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के नोडल प्रधानाचार्य शोभनाथ रावत ने रोजगार मेले को संबोधित करते हुए कहा बेरोजगारों के आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार मेला मील का पत्थर साबित हो रहा है। ऐसे आयोजन से तकनीकी गुरु के दक्ष युवाओं को कंपनियों द्वारा रोजगार का अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर वरिष्ठ सहायक राकेश मौर्य, अनुदेशक संजीव कुमार मिश्र, मुकेश कुमार, विपिन कुमार, लाल बहादुर, सतीश कुमार पाठक, कारदेशक रामदास, कनिष्ठ सहायक राजेश कुमार सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में सोलर रूफ टॉप पावर प्लांट से विद्युत आपूर्ति प्रारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में सोलर प्लांट के माध्यम से 12 किलो वाट का लोड प्रतिदिन बिजली के कार्यों के लिए उपलब्ध हो रहा है। कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने बताया कि सोलर रूफ टॉप पावर प्लांट के माध्यम से 80 किलो वाट तक की क्षमता है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली के उपकरणों का संचालन वर्तमान समय के लिए विशेष रूप से भारत के लिए बहुत ही आवश्यक है। जिस तरह से दिन पर दिन आधुनिक तकनीकों की उपयोगिता बढ़ी है उसी सापेक्ष बिजली का खर्च भी बढ़ा है। ऐसे में प्राकृतिक ऊर्जा पर बहुत दिनों तक आश्रित

नही रहा जा सकता है और ना ही आश्रित रहना संभव है। इसलिए आज पूरी दुनिया सौर ऊर्जा को बहुत ही सकारात्मक ऊर्जा के रूप में देख रही है। उत्तर प्रदेश शासन में सोलर एनर्जी पॉलिसी के माध्यम से उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा प्लांट को स्थापित कराने में नेडा के माध्यम से सहयोग कर रहा है। इस प्लांट के लग जाने से विश्वविद्यालय में विद्युत खर्च में बहुत कमी आएगी। अगले चरण में सभी संकायों में तथा आवासीय भवनों में भी इस प्रकार के सौर ऊर्जा के प्लांट जल्द ही लगाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश नेडा की तरफ से यह प्लांट लगाया गया है। 25 वर्षों तक इसकी वारंटी है 5 वर्ष तक निशुल्क वारंटी नेडा की तरफ से दी गई है इस अवसर पर कुलसचिव डॉ अमरेंद्र कुमार सिंह वित्त अधिकारी अजय कुमार सोनकर मुख्य नियन्ता प्रोफेसर दीपक बाबू विज्ञान संकाय के अध्यक्ष प्रोफेसर देवेश कुमार जिला परियोजना निदेशक अनिरुद्ध कुमार दुबे डॉक्टर नीता यादव सत्यम दिक्षित मनीष कुमार अतुल रावत सहित विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के अधिकारी उपस्थित थे। यह जानकारी सूचना जनसंपर्क अधिकारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने दी है।

निःशुल्क बी पी व शुगर की जांच कर मनाया गया विश्व मधुमेह दिवस-सुनील कुमार चौबे

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पतंजलि परिवार सोनभद्र के तत्वाधान में सोमवार को आयोजित विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर प्रातः कालीन योग सत्र प्रमुख योग शिक्षक सुनील कुमार श्रीवास्तव द्वारा लिया गया तत्पश्चात डॉक्टर मनोज चौधरी द्वारा राजस्थान भवन मारवाड़ी धर्मशाला बैंक ऑफ बड़ौदा के पास रार्बटसगंज सोनभद्र नियमित योग के पश्चात 6.00 से 7.00 के बीच निरूशुल्क शुगर व बीपी की जांच कर मधुमेह योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पतंजलि योग समिति के संरक्षकध्वरिष्ठ समाजसेवी मिठाई लाल सोनी द्वारा पतंजलि योग परिवार के लिए ऑक्सीमीटर प्रदान की गई।इस मौके पर पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी ,किसान सेवा समिति जिला संगठन मंत्री मोहर देव पांडेय, भारत स्वाभिमान के संरक्षक शेषमणि तिवारी तथा सभी कक्षाओं के योग साधक अपने–अपने प्रमुख योग शिक्षकों के साथ उपस्थित रहे। नियमित योग साधकों का ब्लड प्रेशर व शुगर सामान्य रहा, डॉ मनोज चौधरी द्वारा कहा गया कि नियमित योगाभ्यास करते रहेंगे तो शुगर और बीपी जैसे तमाम गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। मौसम बदल रहा है, गुनगुना पानी पीते रहें तथा समय–समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

बाल दिवस के रूप में मनाया गया पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोहास बाजार/सिद्धार्थनगर। छब्बू प्रसाद मेमोरियल कन्या इंटर कालेज सोहास जनूबी के स्कूली बच्चों ने केक काटकर चाचा जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया गया। कन्या इंटर कालेज सोहास जनूबी में स्कूली छात्रों ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिन बाल दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों ने केक काटकर एक दूसरे को खिलाया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य प्रियंका वर्मा ने उपस्थित छात्रों को बताया कि

भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवम्बर को हुआ था। नेहरू छोटे छोटे बच्चों से अगाध प्रेम रखते थे। बच्चों के हितऔर उनके उत्थान के लिए हर सम्भव मदद करते थे। बच्चे उन्हें चाचा नेहरू के नाम से जानते थे। इस लिए 14 नवम्बर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके अलावा सभी लोगों में मिष्ठान वितरित कर मुँह मीठा कराया गया। कुछ मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सुनीता वर्मा, पूजा कुमारी, प्रिया वर्मा, उमेश प्रजापति, जितेंद्र यादव, सरिता देवी, विजय श्रीवास्तव सहित सभी बच्चे उपस्थित रहे।

ईओ को नोटिस जारी कर मांगा स्पष्टीकरण

सलेमपुर। जल–नल योजना के तहत करोड़ों की लागत से नगर में बने ओवर हेड टैंक की टेस्टिंग दौरान पाइप फट जाने के बाद पानी से सराबोर हुईं सड़कों का मामला अखबार में प्रकाशित हुआ था। इस खबर के बाद प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया है। एडीएम प्रशासन ने ईओ पंकज कुमार से पूरे मामले को संज्ञान में लेते हुए तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है। सलेमपुर नगर पंचायत में वर्ष 2004 में जल निगम ने करोड़ों खर्च कर शुद्ध पानी के लिए ओवरहेढ टैंक बनाया था। उसके बाद निगम ने आधा–अधूरा काम कर नगर पंचायत को हैंडओवर कर दिया। नगरवासियों की मांग के बाद कुछ दिन पूर्व नगर पंचायत ने आनन–फानन करीब 40 लाख का टेंडर कर एक बार पुनरू अंडरग्राउंड पाइप लाइन बिछानी शुरू की। वह भी दोयम दर्जे की निकली। नतीजतन, बिछाने के साथ ही कहीं पाइप लाइन फट गई, तो कहीं सुचारु रूप से जलापूर्ति करने के लिए दो पाइपों को आपस में जोड़ा ही नहीं जा सका है। ओवरहेड टैंक के निर्माण में भी मानकों की अनदेखी की गई। पाइप के फटने से घरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है। पानी सड़क पर या फिर नाली में बह रहा है। इसको लेकर मुहल्ले के लोगों ने ऑनलाइन व ऑफलाइन शिकायत जिला प्रशासन से की है। इस मामले में एडीएम प्रशासन ने बताया कि घटिया निर्माण की जानकारी होने के बाद नगर पंचायत के ईओ से स्पष्टीकरण मांगा गया है। मामले की जांच कर दोषी के विरुद्ध रिकवरी के साथ अन्य कार्रवाई की जाएगी।

59 जर्जर भवनों की नहीं हो सकी नीलामी, ध्वस्तीकरण में बाधा

महराजगंज। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से चिह्नित किए गए कुल 224 जर्जर परिषदीय भवनों में से अभी तक 59 भवनों की नीलामी नहीं हो सकी है। नीलामी न होने से जहां जर्जर भवन के ध्वस्तीकरण में समस्या आ रही है, वहीं 6000 से अधिक विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से वर्ष 2020–21 में जिले के सभी 12 ब्लॉकों में स्थित 224 परिषदीय भवनों को जर्जर पाया गया था। इसके बाद तकनीकी समिति की जांच में 13 भवनों के नीलामी योग्य न होने की बात कही गई। शेष बचे 211 में से 152 विद्यालय भवन की नीलामी हो चुकी है तथा अभी भी 59 भवन ऐसे हैं जिनकी नीलामी नहीं हो पा रही है। इन विद्यालयों में भवन के नीलाम न होने से जहां समय से ध्वस्तीकरण का कार्य नहीं हो पा रहा है, वहीं औसतन 100 से अधिक की संख्या में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बैठने व बेहतर ढंग से शिक्षा ग्रहण करने में विभिन्न प्रकार की समस्या से जूझना पड़ रहा है। दो विद्यालयों की पड़ताल में यह स्थिति सामने आई।

अंत्येष्टि स्थल निर्माण पर गांवों का जोर, आए पांच गुना आवेदन

महराजगंज। ग्रामीण क्षेत्र में शवों के सुरक्षित निपटान के लिए इस वित्तीय वर्ष में छह अंत्येष्टि स्थलों का निर्माण कराया जाना है। अंत्येष्टि स्थल के निर्माण के लिए ग्राम पंचायतों से आवेदन मांगे गए थे, जिसके क्रम में 10 नवंबर तक कुल 28 ग्राम पंचायतों ने अपना आवेदन किया है। पांच गुना आवेदन आने से इस बार स्थल चयन में काफी जद्दोजहद होगी। ग्रामीण क्षेत्र में मरने वाले लोगों के शवों के अंतिम संस्कार के लिए गांव स्तर पर भी अंत्येष्टि स्थल बनवाए जाने की व्यवस्था बनाई गई है। जिन ग्राम पंचायतों के पास भूमि होती है, वह आवेदन करते हैं। जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली समिति गांवों में भूमि की उपलब्धता व मानकों को ध्यान में रखते हुए लाभ के लिए गांवों का चयन करती है, जिसके बाद गांवों को धनराशि भेजी जाती है। इस बार भी छह गांवों में अंत्येष्टि स्थल के निर्माण के लिए गांवों से आवेदन मांगे गए, जिसमें कुल 28 गांवों ने आवेदन किया है। अब आवेदन करने वाले गांवों की सूची समिति के समक्ष जाएगी, इसके बाद चयनित गांवों को लाभान्वित करने की पहल होगी। परतावल ब्लॉक के सर्वाधिक सात गांवों ने किया है आवेदनः जिले के जिन 28 गांवों ने लाभ के लिए आवेदन किया है उसमें परतावल ब्लॉक के पुरैना, बड़हरा बरईपार, पिपरा खादर, बेलवा बुजुर्ग, उंटी, चौपरिया व नंदना, नौतनवां के बरगदवा, गजरहा व हथियहवा, सिसवा के रानीपुर, घुघली के बिरैचा, घुघली बुजुर्ग व बेलवा टीकर, सदर के कोटा मुकुंदपुर व नेता सुरहुरवा, मिठौरा के पतरेंगवा व पनेवा–पनेई, निचलौल के बजही, बड़हरा चरगहा प रौतार, बृजमनंगज के केशौली, धानी के चौका व बरडाड़, फरेंदा के झावाकोट तथा पनियरा के राजमंदिर, हंसखोरी व विशुनपुरा का नाम है।

शौचालय बनकर तैयार, नहीं खुलता ताला

नौतनवां। क्षेत्र के रामनगर गांव में बना सामुदायिक शौचालय दिखावा बनकर रह गया है। लाखों रुपए की लागत से निर्मित सामुदायिक शौचालय में ताला बंद रहने से ग्रामीणों को शौच के लिए बाहर जाना पड़ता है। रामनगर गांव की आबादी लगभग 2500 है। यहां रामनगर खास, बड़का मरचहवा, छोटका मरचहवा, पुरैनिहा कुल चार टोला है। शौचालय के देखरेख की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूह को दी गई है। गांव के मसउद खान, गुफरान, बब्बन, अनिल कुमार, स्वामी नाथ, संतबली, भगवानदास, रिंकू दुबे, बुंदेल आदि ने बताया कि सामुदायिक शौचालय का निमार्ण तो हुआ लेकिन ताला नहीं खुलता है। जिससे शौच के लिए बाहर जाना पड़ता है। खंड विकास अधिकारी अमरनाथ पांडेय का कहना है कि जांच कराकर शौचालय का नियमित संचालित कराया जाएगा।

बास्केटबाल के खिलाड़ी देवेश का यूपी टीम में चयन

सिसवा बाजार (महराजगंज)। कस्बे के मीराबाई नगर के रहने वाले 16 साल के देवेश जायसवाल का चयन जूनियर नेशनल बास्केटबाल चौंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश की टीम में हुआ है। कोलकाता में 14 से 17 नवंबर तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय ईस्ट जोन बास्केटबाल प्रतियोगिता के लिए कोच श्यामवीर सिंह की देखरेख में प्रदेश की टीम का गठन किया गया है। देवेश ने दसवीं कक्षा के बाद भारतीय खेल प्राधिकरण वाराणसी की कोच प्रीति से बास्केटबाल का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था। जूनियर वर्ग में देवेश ने प्रदेश स्तर पर गोल्ड मेडल हासिल कर चुके हैं। देवेश के पिता अमरचंद जायसवाल परिवहन निगम में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। माता आभा जायसवाल गृहिणी हैं। वाराणसी में कला वर्ग में अध्ययनरत 11वीं कक्षा के छात्र देवेश की बचपन से ही खेलकूद में रुचि रही है। देवेश ने कक्षा छह से आठ तक की शिक्षा शिशु मंदिर गोरखपुर से ग्रहण की है। 9 से 10 तक शिक्षा एमपी इंटर कालेज गोरखपुर से की है। पढ़ाई के दौरान गोरखपुर शहर के करीमनगर मोहल्ले में रहते हुए देवेश प्रत्येक दिन आठ किलोमीटर साइकिल चलाकर स्टेडियम अभ्यास के लिए जाते थे। स्टेडियम में उनकी मुलाकात कोच विवेक व आजाद से हुई। विवेक व आजाद ने देवेश को आगे बढ़ाने में मदद की। इसी बीच देवेश का चयन वाराणसी प्रशिक्षण केंद्र के लिए हो गया। यहां पर पढ़ाई के साथ खेल का भी बेहतर ढंग से प्रशिक्षण मिल रहा है। कोरोना काल में भी आनलाइन बास्केटबाल के बारे में जानकारी हासिल की। इससे कठिन राह आसान हो गई। देवेश का प्रदेश की टीम में चयन होने पर अरविंद जायसवाल सरस, अमरनाथ, आदित्य, अभय, आनंद ने खुशी प्रकट की है।

धान खरीद में छोटे किसानों को मिले प्राथमिकता : कृषि मंत्री

देवरिया। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने डेंगू नियंत्रण एवं जनपद में हो रहे विकास कार्यों व धान खरीद की समीक्षा बैठक मेडिकल कॉलेज सभागार में ली। कहा कि क्रय केंद्र पर आने वाले हर किसान का धान अवश्य खरीदा जाए। इसमें छोटे किसानों को प्राथमिकता दी जाए। वहीं, कहा कि डेंगू के मरीजों के इलाज में लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जांच व इलाज मुहैया कराई जाए। कृषि मंत्री ने कहा कि डेंगू के नियंत्रण के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित फॉगिंग कराने एवं एंटी लार्वा दवा के छिड़काव कराया जाए। कहा कि डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते हैं।

ऐसे में आम लोगों को जागरूक किया जाए कि वे अपने आस–पास, कूलर, बर्तन, टायर आदि में पानी एकत्र न होने दें। उन्होंने सभी नगर निकायों एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को विशेष सफाई एवं जन जागरुकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। कृषि मंत्री ने धान खरीद की समीक्षा करते हुए कहा कि क्रय केंद्र पर आने वाले प्रत्येक किसान का धान अवश्य खरीदा जाए। एडीएम वित्त एवं राजस्व नागेंद्र कुमार सिंह ने कृषि मंत्री को बताया कि अभी तक 132 किसानों से 373 मीट्रिक टन धान की खरीद हो चुकी है। इस पर कृषि मंत्री ने किसानों से डोर–टू–डोर संपर्क कर क्रय केंद्र पर आने के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अतिवृष्टि एवं बाढ़ से हुई किसानों की फसल क्षति की क्षतिपूर्ति के बारे में भी जानकारी प्राप्त ली।

एडीएम वित्त एवं राजस्व ने बताया कि फसल क्षति आकलन के बाद कुल 7,456 किसानों के खाते में 2,42,18108 रुपये भेजे जा चुके हैं। कृषि मंत्री ने जिले में खाद एवं बीज की उपलब्धता के विषय में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि किसानों को किसी भी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इस दौरान बरहज के विधायक दीपक मिश्रा शाका, सीडीओ रवींद्र कुमार, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य राजेश कुमार बरनवाल, सीएमओ डॉ. राजेश झा, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, एडीएम वित्त एवं राजस्व नागेंद्र कुमार सिंह, एसडीएम सौरभ सिंह, सीएमएस डॉ. एएन वर्मा, उप निदेशक कृषि विकेश कुमार पटेल, ईओ रोहित सिंह, जिला कृषि अधिकारी मोहम्मद मुज्जमिल सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

बदलते मौसम में निमोनिया की चपेट में आ रहे बच्चे

महराजगंज। बदलते मौसम में निमोनिया तेजी से बच्चों को अपनी चपेट में ले रहा है। जिला अस्पताल के 15 बेड के संक्रामक रोग वार्ड में निमोनिया व बुखार से पीड़ित 20 बच्चे भर्ती हैं। वहीं, ओपीडी में बीमार बच्चों में 30 फीसदी निमोनिया से पीड़ित मिल रहे हैं। इनमें से अधिकतर को भर्ती करना पड़ रहा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन करीब 800 मरीज आ रहे हैं। बालरोग विशेषज्ञ के कक्ष में 10–15 बच्चे बुखार और निमोनिया से पीड़ित पहुंच रहे हैं। 15 बेड के संक्रामक रोग वार्ड में 20 बच्चे भर्ती हैं, इनमें से पांच निमोनिया और आठ बुखार से पीड़ित हैं। इन बच्चों की उम्र 5–12 साल के बीच है। चिकित्सकों का कहना है कि पहले निमोनिया एक सप्ताह में ठीक हो जाता था, लेकिन अब इसके ठीक होने में दोगुना समय लग रहा है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आरपी राय ने बताया कि फेफड़ों में संक्रमण के चलते निमोनिया होता है। विषाणु, जीवाणु के कारण संक्रमण होता है। इस बीमारी को बढ़ाने में वैक्टीरिया व वायरस की अहम भूमिका होती है। इसमें भांप लेने पर संक्रमण में कमी आती है। सांस लेने में आसानी होती है। छाती की जकड़न दूर होती है।

निमोनिया के लक्षणः बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आरपी राय ने बताया कि बलगम वाली खांसी, बुखार के साथ पसीना आना, खांसी बढ़ जाना, सांस लेने में परेशानी होना, सीने में दर्द, बेचौनी, भूख न लगना, बीमार दिखना निमोनिया के प्रमुख लक्षण हैं।

तेजी से बढ़ रही डेंगू के मरीजों की संख्याः उधर, उम्र–दराज लोग डेंगू बुखार की चपेट में आ रहे हैं। इस साल जनवरी से लेकर अब तक डेंगू के मरीजों की संख्या 36 हो चुकी है। हालांकि इस समय जिला अस्पताल के आठ बेड के डेंगू वार्ड में कोई मरीज भर्ती नहीं है, लेकिन ओपीडी में अधिकतर लोग बुखार से पीड़ित आ रहे हैं। कई लोगों का गोरखपुर और लखनऊ तक में इलाज चल रहा है। वर्ष 2017 में डेंगू के 19 मरीज मिले थे। 2018 में 10 और साल 2019 में डेंगू के 22 मरीज मिले थे। साल 2020 में सबसे कम केवल दो मरीज मिले थे। वर्ष 2021 में संख्या बढ़कर 37 हो गई थी। वर्ष 2022 में डेंगू का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। जनवरी से लेकर अब तक 36 मरीज मिल चुके हैं।

बाल दिवस पर बाल मेले का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। बाल दिवस के अवसर बी.एस.एन.ग्लोबल स्कूल शाहपुर में सोमवार को बाल मेले का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चों ने विभिन्न स्टाल सजाए। बच्चों ने खाने पीने से संबंधित और विभिन्न प्रकार के गेम्स से संबंधित स्टाल लगाए थे जोकि आकर्षक का केंद्र थे। चाय, काफी, समोसा, टिकीया, बर्गर, ब्रेड पकौड़ा, भेलमूरी,

चाट, चाउमिन इत्यादि के स्टाल पर बच्चों की भीड़ लगी रही। बच्चे और उनके अभिभावकों ने मेले का भरपूर आनंद लिया। मेले का शुभारंभ करते हुए विद्यालय के निदेशक जे के जायसवाल ने बच्चों के रचनात्मकता की भूरी भूरी प्रशंसा की। सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और देश के विकास के लिए इन बच्चों का विकास बहुत जरुरी है। बच्चों का सर्वांगीण विकास ही हमारा ध्येय होना चाहिए। इस अवसर पर उत्तम राय, बुद्धिप्रकाश गिरी, दीपक सिंह, चंद्रकला मौर्य, वर्षा श्रीवास्तव, कुसुम, चन्द्रमति यादव, सुमन, बबीता, प्रतिभा, आदि उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस पर याद किए गए चाचा नेहरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला क्षेत्र के आनन्द विद्यापीठ इण्टर कालेज ककरही के प्रांगण मे प्रधानाचार्य प्रमोद सिंह व प्रबंधक रवि प्रताप राय की अगुआई में बड़े हर्षोल्लास से बाल दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत चाचा नेहरू के चित्र पर पुष्प गुच्छ अर्पित कर उनको नमन किया गया। इस समारोह को संबोधित

करते हुए प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि बच्चे मन के सच्चे होते है। आप सब सत्य, अहिंसा के मार्ग पर चलें। छात्र किसी भी परिस्थिति में अपने मन छोटा न करें, आप देश के भविष्य हैं और स्वयं में सर्वश्रेष्ठ है। यही मानें तथा जीवन पर्यंत यह धारणा बनाएं रखें। उसी के अनुरूप अपने कार्य करें और जीवन को उद्देश्यपूर्ण सफल बनाएं। उन्होंने पंडित नेहरू के बताए मार्ग पर चलने के लिए सभी को प्रेरित किया। शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रमुख रूप से विद्यालय के शिक्षक अनिल राय, अजय शुक्ल, विजय कुमार पाण्डेय, शैलेश तिवारी, रजनीश सिंह, अनिल यादव, अजय सिंह पटेल, बृज मोहन मौर्य, दीपक सिंह, अमित पासवान, रामकृपाल, नागेंद्र शर्मा इत्यादि उपस्थित रहे।

बाल दिवस पर बाल मेले का आयोजन

जिज्ञासा, एकाग्रता व जूनून से ही हम अपनी मंजिल पर पहुंच सकते हैं-चेयरमैन एम एन त्रिपाठी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौरी बाजार/देवरिया। बाल दिवस के अवसर एस बी टी पब्लिक स्कूल विशुनपुरा, बखरा में सोमवार को बाल मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के चेयरमैन एम एन त्रिपाठी द्वारा दीप प्रज्जवलन तथा मां सरस्वती के चित्र व पंडित नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में सबसे पहले रैंप शो की प्रस्तुति नर्सरी व एल के जी के बच्चों द्वारा की गई तत्पश्चात म्यूजिकल चेयर, जलेबी खाओ व स्पून मार्बल रेस इत्यादि तरह तरह के खेल की प्रस्तुति बच्चों द्वारा की गई। बाल मेले में बच्चों द्वारा विभिन्न स्टाल सजाए गए। बच्चों ने खाने पीने से संबंधित और विभिन्न प्रकार के खेल से संबंधित स्टाल लगाए थे जोकि आकर्षक का केंद्र बना रह। चाय, काफी, समोसा, टिकीया, बर्गर, ब्रेड पकौड़ा, मोमोज, मंचूरियन राइस, भेलपूरी, चाट, चाउमिन इत्यादि के स्टाल पर बच्चों की भीड़ लगी रही। बच्चों ने मेले का भरपूर आनंद लिया। विद्यालय के चेयरमैन एम एन त्रिपाठी ने सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और देश के विकास के लिए इन बच्चों का विकास बहुत जरुरी है। बच्चों का सर्वांगीण विकास ही हमारा ध्येय होना चाहिए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य दिवाकर पाण्डेय ने वीर अर्जुन की कहानी सुनाते हुए बच्चों को अपने लक्ष्य की तरफ ध्यान देने की बात कही तथा उप प्रधानाचार्य एस पी बिंद ने भी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर विद्यालय के मुख्य समन्वयक अंबरीश त्रिपाठी, प्रशासक महोदय सहित सभी शिक्षक व शिक्षिकाओं तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का भरपूर सहयोग रहा।

जीवन जीने की कला के साथ मरने की भी कला सीखाती है श्रीमदभागवत कथा–आचार्य पंडित बसंत शुक्ल जी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर। गोला क्षेत्र के ग्राम डाड़ी खास में श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन आचार्य पंडित बसंत शुक्ल जी ने पांडाल में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा सुनने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। पं.जी द्वारा कथा का रस पान कराते हुए कहा कि समस्त मुनीयों के गुरू शुकदेव सम्राट परीक्षित को श्रीमद्भागवत कथा सुनाते हुये कहते हैं कि व्यक्ति को अपनी आवश्यकताएँ व्यर्थ में बढ़ानी नहीं चाहिए। अपने पसन्द का भगवान का कोई भी नाम निरंतर जप–स्मरण–कीर्तन–श्रवण करते हुये भगवान भरोसे निश्चिंत हो जाना चाहिए। प्रभु सृष्टि की उत्तपत्ति पालन–संहार जो भी करते हैं। मानव को जीवन जीनें की कला सिखाने हेतु करुणासागर हरि बहुत से अवतार लेते हैं जिनमें चौबीस अवतार प्रमुख है। मानव को न किसी से अपेक्षा

करनी चाहिए न किसी की उपेक्षा करनी चाहिए। भगवान का भजन करते हुये अपना कर्तव्य–पालन करते हुये भगवान के नाम को इस कदर रटनें की आदत डाल लेनी चाहिए कि मृत्यु काल में भगवान की याद आ जाय और हमें सर्वोच्च पद मिल जाय,दुरूख से सदा के लिए मुक्ति मिल जाय। श्रीमदभागवत कथा मानव को अपने जीवन में कम से कम एक बार जरुर सुननी चाहिए। जिसके सुनने से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष या भगवत्प्रेम सब कुछ मिल जाता है। जीवों के सभी स्वार्थ–परमार्थ अनुष्ठान पूर्वक श्रीमद्भागवत–कथा–श्रवण से सिद्ध हो जाते हैं। कथा के अंत में मुख्य यजमान सरस्वती देवी,रामकिशुन गुप्ता और छोटे लाल गुप्ता सभी आगन्तुकों के प्रति आभार प्रकट किया। यहां पर शैलष मिश्रा, संगम यादव, अमीत गुप्ता, सुमित गुप्ता, गुड्डू सिंह, संतोष मोदनवाल, जय मिश्रा आदि लोग उपस्थित हो भागवत कथा का रस पान किया।

पत्नी के साथ ससुराल जा रहे नेपाली निवासी व्यक्ति की हुई मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

महाराजगंज। नेपाल के जिला रूपन्देही ग्राम हर्दी निवासी युगराज

त्रिपाठी उम्र 50 वर्ष पुत्र रामलखन तिवारी रविवार की सुबह अपनी पत्नी जयन्ती त्रिपाठी के साथ नौगढ अपने ससुराल जा रहा था। दोनो नौतनवा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकडने के लिए पहुंचे थे। तभी योगराज त्रिपाठी को घबराहट होने लगी। वह अपनी पत्नी को रेलवे स्टेशन छोड़कर दवा लेने के लिए मेडिकल स्टोर पर जा रहा था। मेडिकल स्टोर के बाहर मुख्यमार्ग पर वह अचेत होकर गिर गया। आस पास के लोगों ने 108 नम्बर पर फोन कर एम्बुलेन्स से उसे रतनपुर सीएचसी भेजवाया जहां डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर परिजन रतनपुर सीएचसी पहुंचे। तभी नौतनवा की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। और शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम की तैयारी कर ही रही थी। तभी मृतक के परिजन भी अस्पताल पर पहुच गये। और पुलिस को तहरीर देकर पीएम नही करवाने की अपील किया। पुलिस ने पंचनामा कर शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जानकारी के मुताबिक मृतक का एक ही पुत्र है अमरनाथ त्रिपाठी जो मलेशिया मे रहता है और एक 10 वर्ष की पुत्री शिवांगी त्रिपाठी है। योगराज की मौत से परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक की पत्नी जयन्ती त्रिपाठी, इन्दकमल त्रिपाठी, संजय कुमार, उमानाथ, रामबचन, संदीप, अंगीरा ने पुलिस को तहरीर देकर मांग किया है कि हम शव का पोस्टमार्टम नही कराना चाहते हैं। इस सम्बन्ध मे नौतनवा थानाध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह का कहना है कि मृतक की पत्नी जयन्ती त्रिपाठी व रिस्तेदारों का ब्यान और तहरीर लेकर पंचनामा कर शव को परिजनो को सुपुर्द कर दिया गया है।

फैमिली हेल्थ इंडिया एंबेड ने आयोजित किया एक दिवसीय आशा

ऐ.न.म व आशा संगिनी का प्रशिक्षण का कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बभनीध्सोनभद्र। फैमिली हेल्थ इंडिया एंबेड ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। आज जहां राज्य सरकार कई संस्थाओं के साथ मिलकर संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाकर मच्छरों से बचाव एवं संक्रमण रोगों से बचाव के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है उसी कार्यक्रम को थोड़ा सा आगे बढ़ाते हुए फैमिली हेल्थ इंडिया एंबेड ने एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ब्लॉक सभागार बभनी में आयोजित किया और आशाओं को मच्छरों से होने वाले मलेरिया डेंगू एवं और वेक्टर जनित बीमारियों के बारे में प्रशिक्षण बभनी ब्लाक की 78 आशा, 10। छड, 5 आशा संगिनी को फैमिली हेल्थ इंडिया एंबेड के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर शशांक यादव एवं प्रोग्राम एसोसिएट राहुल जयसवाल के निर्देशानुसार बभनी ब्लाक से बीसीसीएफ रवि शंकर पांडे ने प्रशिक्षण दिया। रवि शंकर पांडे ने आशाओं को मच्छरों से होने वाली बीमारी मच्छरों का जीवन चक्र लारवा, पीपा, वयस्क, मच्छर कैसे होते हैं इसके बारे में बीसीसीएफ बभनी ने विस्तार पूर्वक आशाओं को समझाया। इस प्रशिक्षण में मलेरिया का शीघ्र निदान कैसे किया जाता है इस पर विशेष रूप से बल देते हुए समझाया गया। साथ ही साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर फिरोज आबेदीन ने भी मच्छर जनित बीमारियों के बारे में बताया एवं एवं ग्रामीणों को इसके बारे में जागरूक करने व रोकथाम को समझाने के लिए आशा को प्रेरित किया। इस मौके पर मुख्य रूप से फैमिली हेल्थ इंडिया के बभनी ब्लाक के बीसीसीएफ रवि शंकर पांडे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक फिरोज आबेदीन प्रवीण कुमार बीसीपीएम बभनी पूनम कुमारी बीओसी यूपीटीएसयू एवं 10। छड 05 आशा संगिनी रिंकू मधुरानी सरिता देवी एवं 78 आशाओं ने प्रतिभाग किया।

आर एस एस पब्लिक स्कूल में बाल दिवस पर हुआ बाल मेले का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बीजपुर/सोनभद्र। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल

नेहरू के जन्मदिवस (बाल दिवस) के अवसर पर सोमवार को आर एस एस पब्लिक स्कूल बीजपुर में बच्चों द्वारा बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि युवा पत्रकार प्रेस क्लब उत्तर प्रदेश सोनभद्र के पत्रकार जिला अध्यक्ष विजय पटेल एवं विद्यालय के प्रबंधक डॉक्टर ओ पी सिंह द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।इस दौरान बच्चों द्वारा बाल मेले में विभिन्न प्रकार के लाजवाब व्यंजनों की दुकान लगाया गया विद्यालय के बच्चों तथा अभिभावकों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का भरपूर लुत्फ उठाया तथा अभिभावकों द्वारा बच्चों की भूरी भूरी प्रशंसा की गई।मुख्य अतिथि विजय पटेल ने बच्चों द्वारा लगाए गए दुकानों का निरीक्षण किया तथा उनके प्रयासों की खूब सराहना की। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षकाएँ, बच्चे तथा अविभावक मौजूद रहे।

महिला खिलाडियों ने अमेठी में स्वर्ण पदक प्राप्त कर दुद्धी क्षेत्र का मान बढ़ाया

दैनिक बुद्ध का संदेश

दुद्धी/सोनभद्र। 31 वीं उत्तर–प्रदेश मास्टर्स एथलेटिक्स खेल का आयोजन डा० भीमराव अंबेडकर स्टेडियम, जनपद–अमेठी में दिनांक 12 व 13 नवंबर 2022 को दो दिवसीय संपन्न हुआ। प्रदेश स्तरीय खेल के आयोजन में सोनभद्र से कुल 8 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया जिसमें पांच महिलाएं व तीन पुरुषों ने भाग लिया। दुद्धी से आई०सी०डी०एस० विभाग की संगीता वर्मा, शिक्षा विभाग से वंदना कुशवाहा तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विद्यावती खरवार ने भाग लिया। इस प्रदेश स्तरीय खेल में आई०सी०डी०एस० विभाग की संगीता वर्मा ने 100

मीटर रेस में स्वर्ण पदक 80 मीटर हर्डल रेस में स्वर्ण पदक एवं 5000 मीटर वॉक में स्वर्ण पदक प्राप्त कर कुल 3 स्वर्ण पदक अपने नाम करने पर आई०ए०एस० राकेश मिश्रा जी जिलाधिकारी अमेठी द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। तथा वंदना कुशवाहा ने 400 मीटर रेस व 200 मीटर हर्डल रेस में स्वर्ण पदक एवं शॉट पुट (गोला फेक) में कांस्य पदक प्राप्त किया तथा विद्यावती खरवार ने 800 मीटर रेस में स्वर्ण पदक 5000 मीटर रेस में रजत पदक तथा 200 मीटर रेस में कांस्य पदक प्राप्त कर जनपद दुद्धि का नाम रोशन किया। मालूम हो कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव श्रम एवं नियोजन उत्तर–प्रदेश शासन लखनऊ, तथा समापन में संजय सिंह महानिदेशक कृषि अनुसंधान परिषद उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ ने किया।

ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल घोरावल में मनाया गया बाल दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। स्थानीय

ग्रीन फील्ड पब्लिक स्कूल में बाल दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी और बाल मेले का आयोजन किया गया।सोमवार को बाल मेले और प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य नीरज श्रीवास्तव और विशिष्ट अतिथि आदिनाथ मिश्रा ने किया।विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा आकर्षक विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई। जिसमें सोलर से पंप का संचालन समेत अन्य कार्य को प्रदर्शित किया गया। हवा के बल का प्रयोग,ज्वाला मुखी के लावा छोड़ने की प्रक्रिया का प्रदर्शन छात्रों द्वारा आकर्षक रहा। बोतल में पानी फिल्टर, एंटी थेफ्ट लाकर, स्मार्ट सिटी की परिकल्पना पर आधारित माडल, सोलर सिस्टम आदि का बखूबी प्रदर्शन छात्रों द्वारा किया गया। छात्रों द्वारा परिसर में बाल मेले का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों द्वारा केक, फुल्की, चाट के अलावा खिलौनों की आकर्षक दुकानें लगाई गई। परिसर में सेल्फी प्वाइंट का छात्रों ने आनंद लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता राम अनुज धर द्विवेदी, कृष्णा शर्मा, घोरावल भाजपा मंडल अध्यक्ष अरुण पांडेय, अनुराग पांडेय, अरुण त्रिपाठी, अमरेश चंद्र, अजय दुबे, राजेश कुमार, सीमा पांडेय, चंदों पांडेय, अब्दुल्ला आदि मौजूद रहे।

राजा शारदा महेश इण्टर कालेज में हर्षोल्लास से मनाया गया चाचा नेहरू जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभ... में स्थित ... कॉलेज ... दिवस मन... बच्चो ने भ... पंडित ज... व्यक्तित्व ... सांस्कृति... मुख्य अ... गया। मु... पहुचे जि... ाकरण के... सिंह ने ... उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक भारत के निर्माता के रूप में मैं उनका नमन करता हूं उनका योगदान देश में शैक्षणिक ... जवाहरलाल नेहरू के योग दानों को भी याद किया जाता है कार्यक्रम के समापन के दौरान विद्यालय परिवार के तरफ से ... अजीत रावत ... व्यक्तित्व के ... हुए कहा कि ... नशे की चपेट ... रही है जिससे ... माजिक पतन ... नशे से दूर ... प ले। क्योंकि ... श का भविष्य ... पर अध्यापक ... ाकर सिंह, ... सिंह, कविता ... पैरा लीगल वालंटियर राजन चौबे, मनोज दीक्षित सहित विद्यालय के समस्त अध्यापक गण मौजूद रहे।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:- 9454400305
थाना मोहाना	मो0:- 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:- 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:- 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:- 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:- 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:- 9454404244

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

थाना शोहरतगढ़	मो0:- 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:- 9454404236
थाना इटवा	मो0:- 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:- 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:- 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:- 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:- 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:- 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:- 9454404232
थाना लोटन	मो0:- 9454404237
महिला थाना	मो0:- 9454404891

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

स्थायी तहसील निर्माण को लेकर सोनांचल बार एसोसिएशन ने निकाला जुलूस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र/ओबरा। सोनांचल बार एसोसिएशन के अगुआई में

ओबरा विधान सभा क्षेत्र में ओबरा तहसील के भवन के स्थायी निर्माण होने को लेकर रविवार को धरने के तेरहवें दिन ओबरा नगर के मुख्य मार्गो पर हाथ में काली पट्टी बांधकर और तिरंगा के साथ शांति मार्च निकाला गया। जिसके साथ ही जल्द एक प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री व कमिश्नर मिर्जापुर से मिलकर ज्ञापन देगा। ओबरा विधान सभा के अन्तर्गत तहसील भवन का स्थायी निर्माण हो इस पर सभी उपस्थित लोगों द्वारा अंतिम दम तक लड़ने की बात कही गई। वही खैरटिया सहीत कई पार्टी के लोगों ने अपना जन समर्थन देकर हौसला बुलंद किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुशील गोयल, अनुराग त्रिवेदी वरिष्ठ उपाध्यक्ष लखनऊ बार एशोसिएशन, सामाजिक कार्यकर्ता विजय शंकर यादव, रमेरा यादव समाज सेवी आंनद पटेल दयालु, के के पांडेय, बार अध्यक्ष रमेश मिश्रा, एडवोकेट, महामंत्री अनिल मिश्रा, रमाशंकर यादव, कपूर चंद पाण्डे, अर्जुन शर्मा, एस0के0जैन, अनिल चौधरी, संजय कुमार, पुष्पराज पांडेय, एस0 के0 चौबे, उमेश चंद्र शुक्ला, अनिल कुमार चौधरी, हरिओम सेठ, गजेंद्र यादव, कौशल पांडेय, वीरेंद्र पांडेय, मो0 सलीम कुरैसी, रामपाल सिंह, बुद्धि नाथ जैसवाल, सुशील पाण्डेय जय नाथ गिरी, हरेंद्र गुप्ता, सुरेंद्र नाथ जौहरी, मिथलेश तिवारी, मनीष मिश्रा, राजेश गौतम, पंकज राव, रमेश सिंह, श्रमिक नेता हरदेव तिवारी, ब्राह्मण समाज अध्यक्ष नंदलाल पांडेय, व्यापर मंडल संरक्षक आलोक भाटिया धर्मराज सिंह डा ० ऐके पांडेय सुनील तिवारी पेंशनर्स परिषद अध्यक्ष महंगी प्रसाद, दुर्गा प्रसाद, भोला कन्नौजिया, शिवदत्त दुबे, अमीत गुप्ता आनन्द जयशवाल अलीशेर, अमरजीत भारती, दिनेश भारती, अंकुश कुमार, हनी रंधवा, रोहित कुमार, संजय कनौजिया, शेखर लाइट, आकाश कुमार, संजय भारती, मनोज यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

डीएवी रॉबर्ट्सगंज में बाल दिवस का हुआ भव्य आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सोमवार को स्थानीय डीएवी पब्लिक स्कूल, रॉबर्ट्सगंज में बाल दिवस का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में एलकेजी एवं यूकेजी के बच्चों का फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं उनके द्वारा एकल व सामूहिक नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। अमिदीप एवं मोक्षिका (कक्षा यूकेजी) एवं 12वीं के छात्र आकाश चौबे ने बाल दिवस पर भाषण प्रस्तुत किया। इसी क्रम में अलग–अलग समूह के छात्र–छात्राओं द्वारा नृत्य एवं संगीत प्रस्तुत किया तथा कक्षा 12वीं की छात्रा दीपांशी कोहली ने 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती' शीर्षक कविता का सस्वर पाठ किया। विद्यालय के शिक्षक मनोरंजन शर्मा द्वारा देव आरती नृत्य एवं अन्य शिक्षक–शिक्षिकाओं द्वारा बच्चों के लिए सामुहिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही बच्चों द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट–प्रदर्शनी का आयोजन किया गया एवं बच्चों ने अपने प्रोजेक्ट के बारे में भी बताया। बच्चों का यह प्रयास काफी सराहनीय रहा। इन सभी कार्यक्रमों का लाइव प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ अंकुर भाटिया ने सभी बच्चों को बाल दिवस की शुभकामनाएँ दीं एवं कहा कि ये बच्चे ही देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि परिश्रमपूर्वक कार्य में लगे रहने एवं कुशलतापूर्वक कार्य करने पर सफलता मिल ही जाती है। इस अवसर पर विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के भम्रण कार्यक्रम के दृष्टिगत अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी जोन,वाराणसी द्वारा, मण्डलायुक्त, डीआईजी मीरजापुर की उपस्थिति में ड्यूटी में लगे जनपद व गैर जनपद के अधिकारी एवं कर्मचारीगण की ब्रीफिंग कर, दिया गया आवश्यक दिशा निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के जनपद

सोनभद्र में दिनांक 15.11.2022 को प्रस्तावित भम्रण कार्यक्रम के दृष्टिगत अपर पुलिस महानिदेशक,वाराणसी जोन,वाराणसी राम कुमार द्वारा मण्डलायुक्त, डीआईजी मीरजापुर की उपस्थिति में कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था ड्यूटी में लगे पुलिसध्पीएसी बल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण की ब्रीफिंग की गयी। ब्रीफिंग कार्यक्रम के दौरान जनपद एवं गैर जनपद से ड्यूटी हेतु आये पुलिसध्पीएसी बल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण को वीआईपी के उच्चतम सुरक्षा श्रेणी को देखते हुए अत्यन्त सतर्कता पूर्वक रहकर ड्यूटी करने, रूट व्यवस्था के बारें में बिन्दुवार बताकर, सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत बनाए गए भिन्न–भिन्न प्वाइंटो पर नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण को पूर्ण सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ अपनी–अपनी ड्यूटीयो, कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया एवं सेफ हाउस, हेलीपैड, रुट व्यवस्था आदि के सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। उक्त ब्रीफिंग के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारीगण व गैर जनपद से आये हुए अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विद्यालय के बच्चों ने मनाया बाल दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। बालदिवस के उपलक्ष्य पर महाराणा प्रताप इण्टर

कॉलेज विद्यार्थियों ने सोमवार को देवा कोतवाली में जाकर पुलिस विभाग की विभिन्न गतिविधियों की कार्यप्रणाली जैसे महिला हेल्प डेस्क, थाना कार्यालय पर रखे विभिन्न प्रकार के रजिस्टरों, लॉकअप, थाना प्रभारी कक्ष, क्राइम एन्ड क्रिमनल ट्रेकिंग नेट वर्क सिस्टम कक्ष, मालखाना, डयूटी पहरा हिस्ट्रीशीटर सूची आदि को देख कर समझा ततपश्चात विद्यार्थियों द्वारा पूछें गए विभिन्न प्रश्नों का निराकरण माती पुलिस चौकी प्रभारी सत्येंद्र पांडेय व राम कृपाल सिंह ने आदि ने व्यवहारिक रूप से समझाने की कोशिश की ।जैसे किसी अपराधी को थाने में 24 घंटे तक रोक सकते हैं उसके बाद अपराधी को पुलिस न्यायालयमें पेश करते हैं यदि न्यायाधीश मुल्जिम का अपराध सिद्ध कर देते हैं उसे कारागार में बंद करने केलिए आदेशित कर देते हैं इसी क्रम में अपराध से संलिप्त बहनों को न्यायाधीश के आदेश के पश्चात ही नीलाम किया जाता है ।कार्यक्रम के अंत मे बच्चों ने पुलिसकर्मियों को शुक्रिया अदा करते हुए पुनः इस तरह की जानकारी देने के लिए आग्रह किया ताकि हम लोगों का भविष्य उज्ज्वल हो सके स इसी क्रम में बालाजी का बचपन ए कॉन्वेंट स्कूल ब्रांच सत्यप्रेमी नगर के छात्र सैफ राईन ने बाल दिवस के सुनहरे अवसर पर समस्त जनपद वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

सर्दियों में ट्राई करें ये 5 स्पा ट्रीटमेंट, शरीर को मिलेंगे कई लाभ

सर्दियों में चलने वाली ठंडी हवा त्वचा को रूखा और बेजान बना सकती हैं। इसलिए इस दौरान त्वचा की देखभाल पर अतिरिक्त ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए आप स्पा को अपने रूटीन में शामिल कर सकते हैं, जो सर्दियों में शरीर को आराम देने, गर्माहट का अहसास कराने समेत त्वचा को कई लाभ दे सकते हैं। सर्दियों में आप हॉट चॉकलेट मसाज से लेकर बटर हेड मसाज तक, स्पा ट्रीटमेंट आजमाए जा सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

हॉट चॉकलेट मसाज

सर्दियों के लिए यह सबसे अच्छे स्पा ट्रीटमेंट में से एक, हॉट चॉकलेट मसाज आपके शरीर को मॉइस्चराइज करने के साथ–साथ आराम का अहसास दिला सकती है। इस मसाज के लिए मैक्सिकन हर्बल कंप्रेस को चॉकलेट के साथ मिलाया जाता है। यह शक्तिशाली एंटी–ऑक्सीडेंट, एंटी–एजिंग और एंटी–सेल्युलाईट गुणों से भरपूर होती है, जो शरीर के ब्लड सर्कुलेशन को सुधारकर त्वचा को एक प्राकृतिक चमक दे सकती है।

अभ्यंग थेरेपी

यह एक बेहतरीन आयुर्वेदिक मसाज थेरेपी है, जिसे अपनाकर आपकी त्वचा मॉइस्चराइज और चमकदार बन सकती है। साथी ही सर्दियों के दौरान कई तरह के संक्रमणों से बचाव भी कर सकती है। इस थेरेपी में शरीर की मालिश करने के लिए विभिन्न एसेंशियल ऑयल या जड़ी–बूटियों से युक्त आयुर्वेदिक तेलों का उपयोग किया जाता है। यह स्पा ट्रीटमेंट जोड़ों में ग्रीस बढ़ाने समेत मांसपेशियों की जकडन को शांत कर सकता है।

बटर हेड मसाज

अगर आप सर्दियों के दौरान अपने बालों को चमकदार, मुलायम और स्वस्थ रखना चाहते हैं तो आपको बटर हेड मसाज जरूर ट्राई करनी चाहिए। मक्खन में प्राकृतिक तेल होते हैं, जो सिर की खोई हुई नमी को ठीक करने और इसके श्चध स्तर को संतुलित करने में मददगार हो सकते हैं। इसके लिए अपने स्कैल्प पर थोड़ा मक्खन लगाकर मसाज करें और अपने सिर को शॉवर कैप से ढक लें। 30 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से सिर को धो लें।

शुद्धि स्पाइस बाथ

यह सबसे आकर्षक आयुर्वेदिक स्पा में से एक है, जो शरीर को आराम, शांत करने और गर्माहट का अहसास दिला सकता है। इस स्पा के लिए विभिन्न पारंपरिक मसालों जैसे दालचीनी और इलायची के साथ आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों का उपयोग किया जा सकता है। यह त्वचा के रोमछिद्रों को साफ करके एक प्राकृतिक चमक दे सकता है लेकिन यह स्पा ट्रीटमेंट थोड़ा महंगा होता है।

पिझिचिल

यह एक आदर्श स्पा ट्रीटमेंट है, जिसके लिए एसेंशियल ऑयल का उपयोग किया जाता है। आप इस स्पा थेरेपी को घर पर ही सही दो–तीन तेलों को मिलाकर और सही तापमान पर गर्म करके अपने शरीर की मालिश कर सकते हैं। यह ट्रीटमेंट मांसपेशियों और जोड़ों की अकडन से राहत दिलाने में मदद कर सकता है और त्वचा की अशुद्धियों को दूर करके इसे कोमल और चमकदार बना सकता है।

शॉर्ट स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहने मोनालिसा का हॉट लुक वायरल, तस्वीरें देख पानी–पानी हुए फैंस

भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट एक्ट्रेसेस में से एक मोनालिसा की अदाओं का आज हर कोई दीवाना है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक बार फिर अपने

लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस मोनालिसा ने ब्लैक कलर का क्रॉप टॉप और डार्क ब्लू कलर की स्कर्ट पहनी हुई है। मोनालिसा का के ये लुक देख कर फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस मोनालिसा बेहद ही शानदार लग रहीं हैं। और साथ ही बोल्ड पोज देते हुए हॉट फोटोज क्लिक करवा रही हैं। तस्वीरों को शेयर करते हुए मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा है– आप मेरी चमक को कम नहीं कर सकते। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर अपना कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर भी अब तक 75 हजार से ज्यादा लोग लाइक्स कर चुके हैं।

रणबीर जल्द लौटेंगे सेट पर, पिता बनने के बाद लंबी छुट्टी की थी चर्चा

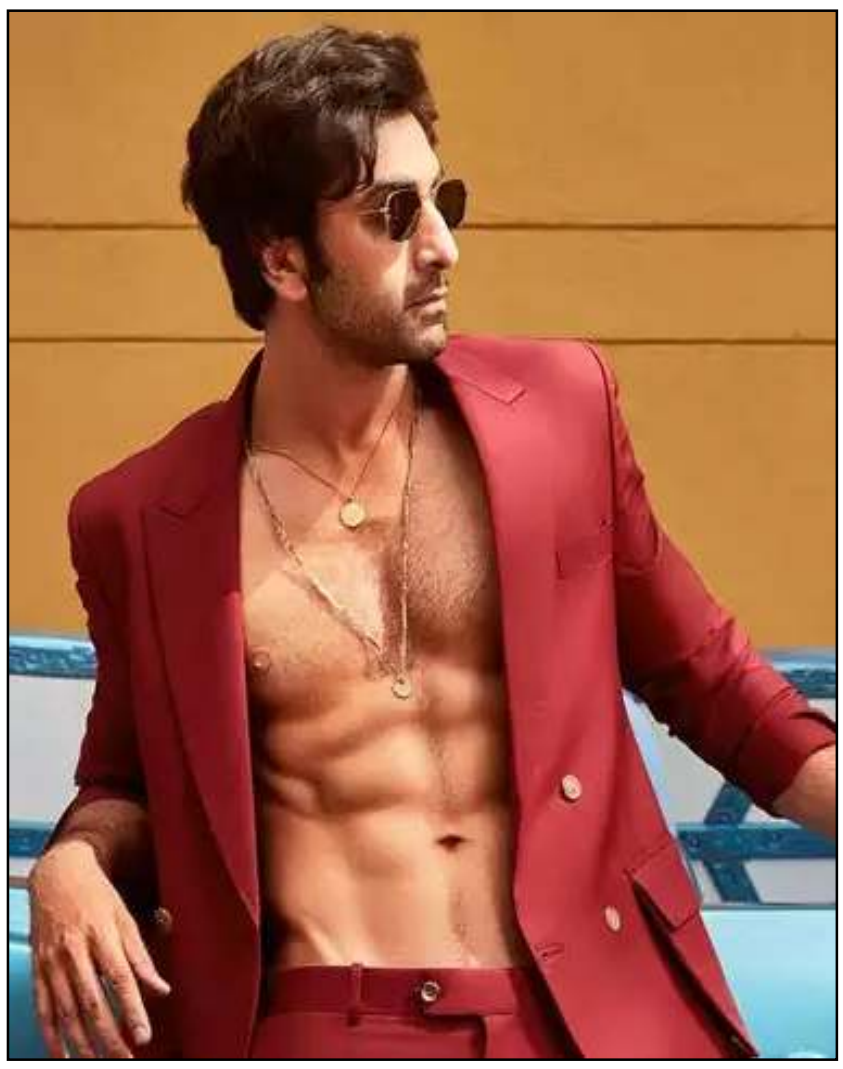

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट हाल ही में माता–पिता बने हैं। 6 नवंबर को आलिया ने एक बेटी को जन्म दिया। कुछ दिन अस्पताल में बिताने के बाद अब दोनों अपनी बच्ची को लेकर घर पहुंच चुके हैं। कुछ समय पहले खबरें आई थीं कि बच्चे के जन्म के बाद रणबीर काम से लंबी छुट्टी लेंगे, जिससे अपने परिवार की देखरेख कर सकें। हालांकि, अब लगता है कि रणबीर जल्द काम पर लौटेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, रणबीर अपनी छुट्टियों में कटौती करके जल्द ही काम पर लौटेंगे। रणबीर 17 नवंबर से फिल्म के सेट पर लौटने वाले हैं। उन्हें अपनी आने वाली फिल्म एनिमल की बची हुई शूटिंग पूरी करनी है। फिल्म में अपना काम पूरा करने के बाद वह लंबी छुट्टी पर जा सकते हैं। हालांकि, रणबीर के लिए राहत की बात यह है कि बची हुई शूटिंग मुंबई में ही होनी है। संदीप रेड्डी वांगा की इस फिल्म में रणबीर के साथ अनिल कपूर और बॉबी देओल भी नजर आएंगे। वहीं रश्मिका मंदाना रणबीर के ऑपोजिट नजर आएंगी। इस फिल्म में रणबीर पहली बार नकारात्मक भूमिका निभाने जा रहे हैं। फिल्म के लिए उन्होंने फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है। रणबीर खुद एक इंटरव्यू में कह चुके हैं कि ऐसे किरदार की उनसे कोई उम्मीद नहीं करता। यह फिल्म अगले साल अगस्त में रिलीज होने की चर्चा है।

इससे पहले खबर आई थी कि रणबीर लंबी छुट्टी लेंगे जिससे आलिया भट्ट अपने काम पूरे सकें। बता दें कि आलिया, रणवीर सिंह स्टारर रॉकी और रानी की प्रेमकहानी में अपने बचे हुए काम पूरे करेंगी। इसके बाद उन्हें संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा की शूटिंग करनी है। वह हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन्स का भी हिस्सा हैं। आलिया की कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा स्टारर जी ले जरा की शूटिंग अगले साल शुरू होनी है। रणबीर और आलिया ने फिल्म ब्रह्मास्त्र के दौरान डेटिंग शुरू की थी। इसके कुछ समय बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया था। इस साल 14 अप्रैल को आलिया और रणबीर ने सात फेरे लिए। जून में आलिया ने इंस्टाग्राम पर अपनी प्रेग्नेंसी की खबर शेयर की थी। प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद आलिया पहले डार्लिंग्स और फिर ब्रह्मास्त्र के प्रमोशन में व्यस्त रहीं। वह कह चुकी हैं कि मां बनने से उनके करियर पर असर नहीं पड़ेगा।

कार्ती की 25वीं फिल्म का निर्देशन करेंगे राजू मुरुगन

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित सुपरहिट

फिल्म जोकर बनाने के लिए जाने जाने वाले राजू मुरुगन, कार्ती की जापान का निर्देशन करेंगे, जो एक भव्य पूजा समारोह के साथ शुरू हुई। राजू मुरुगन निर्देशक बनने से पहले पत्रकार थे। वो एस. आर. प्रकाश बाबू और एस.आर, प्रभु के साथ मिल कर काम करेंगे। कार्ती जापान के लिए छठी बार प्रोडक्शन हाउस ड्रीम वारियर पिक्चर्स के साथ फिर से जुड़ेंगे। यह कार्ती की 25वीं फिल्म है जिसने इस उद्यम को और भी खास बना दिया है। इस फिल्म में अनु इमैनुएल को पहली बार कार्ती के साथ मुख्य भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। तेलुगु अभिनेता सुनील, जिन्होंने पिछले साल अल्लू अर्जुन की पुष्पा में मंगलम सीनू की भूमिका निभाई थी, वह जापान के माध्यम से अपने मुख्य पात्रों में से एक के रूप में तमिल में अपनी शुरूआत करेंगे। तमिल फिल्म उद्योग में एक सिनेमैटोग्राफर के रूप में 25 वर्षों के अनुभव के साथ और गोली सोडा और कडुगु जैसी फिल्मों में एक निर्देशक के रूप में अपनी योग्यता साबित करने के बाद, विजय मिल्टन भी जापान से अपने अभिनय की शुरूआत करने वाले हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता जीवी प्रकाश कुमार फिल्म के लिए संगीत देंगे, जिसका संपादन फिलोमिन राज करेंगे। निर्देशक राजू मुरुगन व्यक्तिगत रूप से इस फिल्म के प्री–प्रोडक्शन का काम संभाल रहे हैं। फिल्म का एक भव्य पूजा समारोह मंगलवार सुबह आयोजित किया गया था जिसमें कई हस्तियां शामिल हुईं और टीम की सफलता की कामना की। शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही शुरू होने वाला है।

एलोवेरा जूस का रोजाना करें सेवन, मिलेंगे ये 5 प्रमुख फायदे

एलोवेरा कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है और अगर आप इसके जूस को अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो इससे आपको स्वास्थ्य संबंधित कई लाभ मिल सकते हैं। एलोवेरा जूस में अमीनो एसिड, लिग्निन, एंजाइम, खनिज, विटामिन, सैलिसिलिक एसिड और सैपोनिन नामक पोषक तत्व होते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि रोजाना एक गिलास एलोवेरा जूस का सेवन करने से आपको क्या–क्या स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।

पाचन क्रिया के लिए है लाभदायक: एलोवेरा के जूस में लैक्सेटिव प्रोपर्टीज मौजूद होती हैं, जो आंतों के अच्छे बैक्टीरिया को प्रोत्साहित करती हैं और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकारों को कम करने में मदद करती है। यह गुण पुराने अल्सर के जोखिम कम करने में भी मदद कर सकता है। एलोवेरा का जूस पाचन क्रिया को डिटॉक्स करने में भी सहायक होता है। इसके अतिरिक्त यह जूस इरिटेबल बाउल सिंड्रोम, पेट दर्द और पेट फूलने जैसी समस्याओं का भी प्राकृतिक रूप से इलाज कर सकता है।

सूजन को कम करने में है मददगार: सूजन को कम करने में भी एलोवेरा का जूस मदद कर सकता है। एलोवेरा में एंटी–इंफ्लेमेटरी प्रभाव मौजूद होता है। यह प्रभाव सूजन की समस्या को दूर करने में काफी मदद करता है। एलोवेरा में पाया जाने वाला यह प्रभाव एलोवेरा के जूस में भी मौजूद होता है। हालांकि ध्यान रखें कि ये फायदे बाजार में मिलने वाले पैक्ड एलोवेरा जूस की बजाय घर पर बने जूस से ही मिल सकते हैं।

खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में है प्रभावी: अगर शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढने लगे तो यह हृदय रोग का कारण बन सकता है, इसलिए इसके स्तर को कम रखना जरूरी है। कई अध्ययनों के मुताबिक, एलोवेरा के जूस में मौजूद हाइपोलिपिडेमिक प्रभाव ब्लड लिपिड का स्तर संतुलित करके खराब कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर कम कर सकता है। हालांकि अगर आप पहले से किसी हृदय रोग का सामना कर रहे हैं तो डॉक्टरी सलाह के बाद ही इसे डाइट में शामिल करें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में है सहायक: एलोवेरा में इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव मौजूद होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने में काफी मदद करता है। कई अध्ययनों के मुताबिक, एलोवेरा के जूस में बीटा कैरोटीन के साथ–साथ विटामिन–ष्ट की भी अच्छी मात्रा होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करके शरीर को कई तरह के संक्रमणों और रोगों से सुरक्षित रखने में मदद करते हैं। इसलिए रोजाना एलोवेरा का जूस पीएं।

शरीर को करता है डिटॉक्स: विषाक्त पदार्थों का जमाव होने से शरीर कई तरह के रोगों का घर बन सकता है, इसलिए यह आवश्यक है कि शरीर को डिटॉक्स करने वाली चीजों का सेवन किया जाए। एलोवेरा जूस एक प्राकृतिक क्लींजर है, इसलिए इसका सेवन शरीर को डिटॉक्स करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा रोजाना एक गिलास एलोवेरा का जूस पीने से मधुमेह को नियंत्रित रखने में भी मदद मिल सकती है।